₹ 20
www.kewalsach.com
निर्भीकता हमारी पहचान
अप्रैल 2025

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका
RNI NO.- BIHHIN/2006/18181, DAVP NO.-129888, POSTAL REG. NO. :- PS.-35

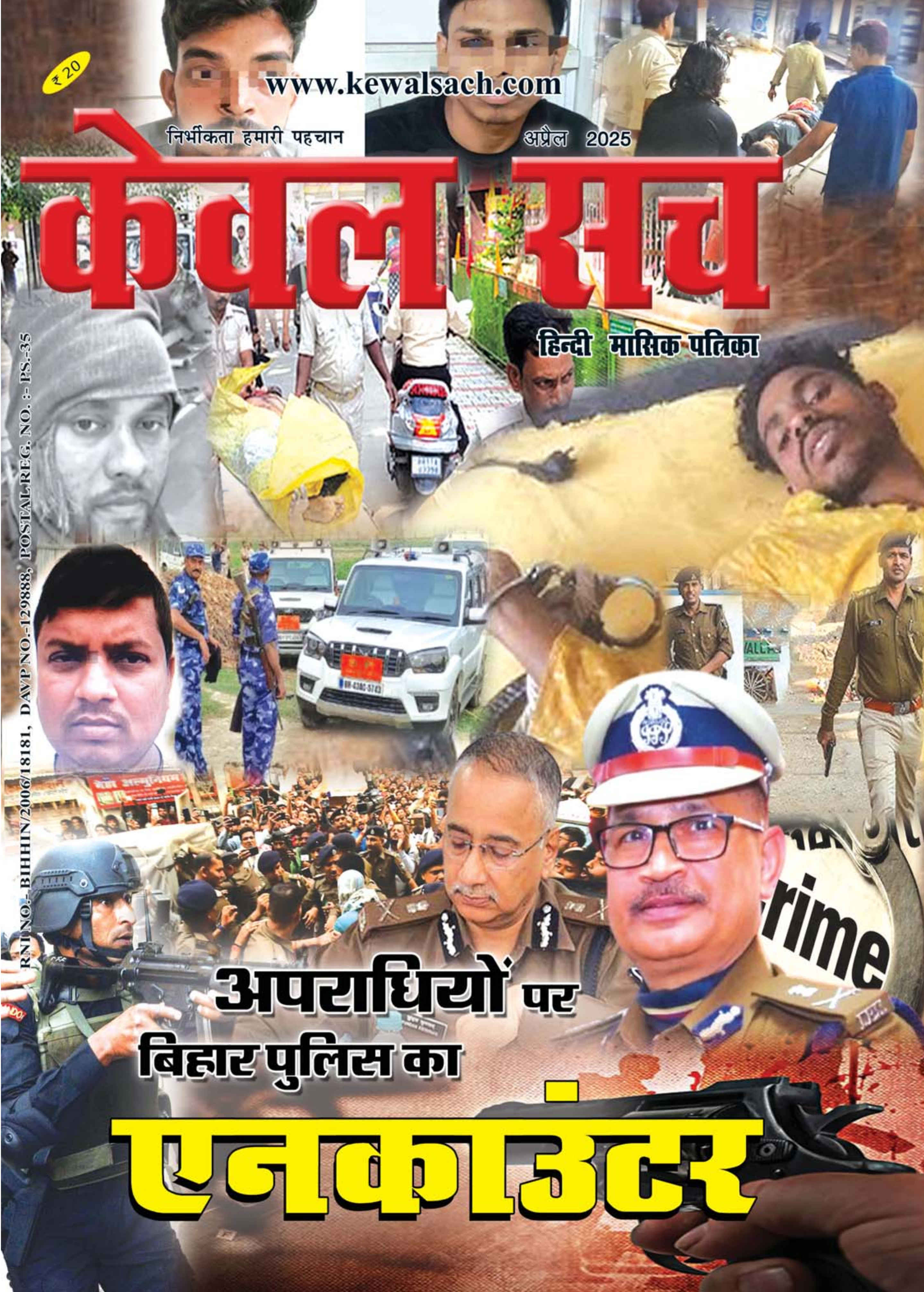

अपराधियों पर बिहार पुलिस का एनकाउंटर

जन-जन की आवाज है केवल सच

निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
Kewalsach news
Mob.: 9431073769, 9308815605
खबर वहीं,
जो केवल सच हो

केवल सच TIMES
21 तक आने की संभावना नहीं: विज्ञान मंत्रालय

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM | UPI
G Pay पे paytm

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

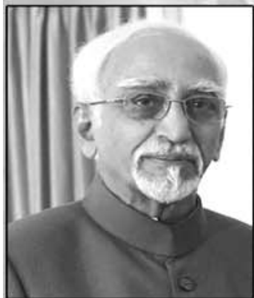

मो० हामिद अंसारी
01 अप्रैल 1937

अजय देवगन
02 अप्रैल 1969

प्रभु देवा
03 अप्रैल 1973

जया प्रदा
03 अप्रैल 1962

जितेन्द्र
07 अप्रैल 1942

रामगोपाल वर्मा
07 अप्रैल 1962

अल्लु अर्जुन
08 अप्रैल 1983

जया बच्चन
09 अप्रैल 1948

जयराम रमेश
09 अप्रैल 1954

मणिशंकर अय्यर
10 अप्रैल 1941

टैरेंस लेविस
10 अप्रैल 1975

स्व० सतीश कौशिक
13 अप्रैल 1956

मुकेश अंबानी
14 अप्रैल 1957

मंदिरा बेदी
15 अप्रैल 1972

लारा दत्ता
16 अप्रैल 1978

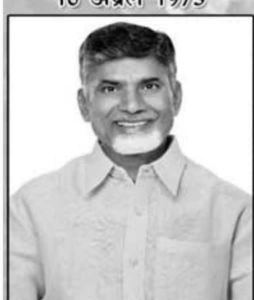

एन. चंद्रबाबू नायडू
20 अप्रैल 1950

चेतन भगत
22 अप्रैल 1974

मनोज बाजपेयी
23 अप्रैल 1969

सचिन तेन्दुलकर
24 अप्रैल 1973

आशिष नेहरा
29 अप्रैल 1979

निर्भीकता हमारी पहचान

www.kewalsach.com

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House
No.-28/14, Road No.-14,
kankarbagh, Patna- 8000 20
(Bihar) Mob.-09431073769
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Vaishnavi Enclave,
Second Floor, Flat No. 2B,
Near-firing range,
Bariatu Road, Ranchi- 834001
E-mail :- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha,
A-68, 1st Floor, Nageshwar Talla
Shastri Nagar, New Delhi - 110052
Mob.- 09868700991,
09955077308
E-mail:- kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube,
131 Chitranjan Avenue,
Near- md. Ali Park,
Kolkata- 700073
(West Bengal)
Mob.- 09433567880
09339740757

ADVERTISEMENT RATES PER ISSUE

COLOUR

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE	Qr. PAGE
Cover Page	5,00,000/-	N/A	N/A
Back Page	1,60,000/-	N/A	N/A
Back Inside	1, 00000/-	60,000/-	35000
Back Inner	90,000/-	50,000/-	30000
Middle	1,50,000/-	N/A	N/A
Front Inside	1, 00000/-	60,000/-	40000
Front Inner	90,000/-	50,000/-	30000

B & W

AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
Inner Page	60,000/-	35,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsach.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

आई. पी. एस बदलेंगे बिहार

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

ओझा, पांडे, मिश्रा और लांडे बिहार को बदलने के लिए राजनीति करना चाहते हैं जबकि दूसरी ओर आईपीएस विकास वैभव युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ यही लोग राजनीति के अखाड़े में भाग्य आजमा रहे है बल्कि गुप्ता भी अपनी चाहत को मैदान में दिखा चुके हैं लेकिन अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली है। दीगर बात है कि आईपीएस और आईएएस वैसे तो पूर्णत: शिक्षाविद् होते हैं और अतिमहत्वकांक्षी भी जिसकी वजह से भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े कारानामे करके राजनेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है तथा कई सेवानिवृत सत्ता के सिंहासन पर विराजमान भी हो चुके हैं और केन्द्र में मंत्री की कमान भी संभाल रहे हैं। लोकतंत्र के सभी स्तंभ का मूल कार्य लोगों की सेवा करना है लेकिन सभी अपने दायित्वों के बजाय दूसरे के क्षेत्र में जबरन प्रवेश करके उसको नंगा करके अपनी साख बनाना चाहते हैं लेकिन सोसल मीडिया के बढ़ते दवाब की वजह से अपना ही स्तंभ की साख को सुदृढ़ कर लें बड़ी बात हो जायेगी। लालू-राबड़ी के शासन काल में डीजीपी डी पी ओझा ने भी राजनीति में अपना कैरियर बनाकर पुलिसिंग में रहते हुए राजनेताओं के द्वारा हुए हमले का बदला लेना चाहा लेकिन जनता ने इनको एकसिरे से खारिज कर दिया था। इसके बाद सुर्खियों में नीतीश राज में डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे भी खूब सुर्खियों में रहे बल्कि बक्सर से चुनाव लड़कर सत्ता पर काबिज होने के लिए इस्तीफा तक दे दिया परन्तु राजनीति में असंभव कुछ भी नहीं है की कूटनीति के शिकार हो गये लेकिन सत्ता में साख रखने की वजह से 11 महीने बाद यह चर्चा होने लगी की इस्तीफा स्वीकार ही नहीं हुआ था। पांडे शराबबंदी के बाद ब्रांड एम्बेसडर रहते हुए पुन: एक चांस लेना चाहे लेकिन उसी वक्त आईपीएस आनंद मिश्रा ने इंट्री मारी और अक्सर से चुनाव मैदान में पहलवानी का दावा ठोक डाला लेकिन टिकट नहीं मिलने की वजह से निर्दलीय दावा किया और 50 हजार वोट हासिल किया। भाजपा अगर मिथिलेश तिवारी की जगह मिश्रा पर दांव लगाती तो जीत सुनिश्चित हो जाता। चुनावी मैदान के बाहर आईपीएस विकास वैभव ने युवाओं को प्रेरित कर विकसित बिहार बनाने का संकल्प लेकर बिहार के गौरवशाली अतित और भविष्य की योजना का समायोजन करके प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। राजनीतिक गलियारे में यी चर्चा आम है कि वैभव भी राजनीति की पटकथा लिख रहे हैं। यह अलग बात है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनावी मैदान में नहीं आये तथा 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में दावेदारी करेंगे खुलकर नहीं बोल रहे हैं। डीजी अशोक गुप्ता भी जनता का विश्वास जितने के लिए पटना में जमकर प्रयास कर चुके हैं लेकिन सफलता नहीं मिल सका। ऐसे में आईपीएस लांडे भी अब अपनी लोकप्रियता की औकात नापने के लिए चुनावी मैदान में पार्टी बनाकर खड़े हैं और हिंद सेना के दम पर बिहार बदलने की कोशिश कर रहे हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव में हिंद सेना (शिवसेना की तरह) कुछ खास करती नहीं दिख रही है। राजनीति के प्रचारक के रूप में अपनी खास पहचान रखने वाले प्रशांत किशोर ने कई आईएएस एवं आईपीएस को अपनी सेवा छोड़ राजनीति में सेवा करने के भाव को जागृत करने का काम कर रहे हैं लेकिन आखिरकार यह राजनीति में नया क्या कुछ करेंगे ऐसी कोई विशेष बातें खुलकर सामने नहीं आ सके हैं। ओझा, पांडे मिश्रा और गुप्ता के बाद लांडे बिहार को बदलना चाहते हैं। आईपीएस रहते कितने अपराधी, उग्रवादी और भ्रष्टाचारी को समाज के मुख्यधारा में जोड़ पाये? क्या अपराध पर नियंत्रण करने में यह सफल रहे? जिस सेवा में बहाल हुए वहां भी जनता की सेवा करना था अब किस प्रकार की जनता की सेवा करेंगे? क्या सच में आईपीएस बदल देंगे बिहार?

बिहार की राजनीति में डंका बजाने की कोशिश करने वाले डीजीपी डी.पी. ओझा ने एक पहल की थी लेकिन जातिय समीकरण ने ओझा जी का बोझा बांधकर राजनीति से दूर कर दिया था लेकिन डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय की कोशिश का महत्व मिल सकता था लेकिन गठबंधन की कूटनीति के शिकार हो गये और इस्तीफा देने के 11 महीने बाद विभाग में वापस आ गये अंत में इनको भी राजनीति का शिकार बनाया गया जबकि सेवानिवृत हो चुके डीजी ए.के गुप्ता ने भी भाग्य आजमाया लेकिन जतना ने इनको एक सिरे से खारिज कर दिया। राजनीतिक सलाहकार पी.के के राजनीतिक मुहिम का हिस्सा बनने के पहले युवाओं को प्रेरित करने एवं राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की अप्रत्यक्ष कोशिश करने वाले आई.जी विकास वैभव ने लोगों को जब दिल जितना शुरू किया तो आईपीएस आनंद मिश्रा भी भाजपा से बक्सर सांसद बनने की होड़ में इस्तीपफा दे दिया लेकिन टिकट नहीं मिलने के बाद वह पी.के जन सुराज का हिस्सा हो गये। सबको राजनीति में सेवा भाव देखकर भला शिवदीप लांडे कैसे चुप रहते वह भी हिन्द सेना बनाकर राजनीति की मंडी में अपना मोल-भाव कराने की कोशिश करने लगे हैं। अब देखना यह कि बिहार में आईपीएस बदलाव लायेंगे या फिर इनको अपनी भूल पर आंसू बहाने होंगे?

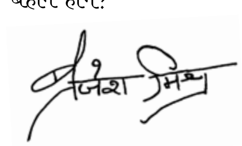

मार्च 2025

आपको केवल सच पत्रिका कैसी लगी तथा इसमें कौन-कौन सी खामियाँ हैं, अपने सुझाव के साथ हमारा मार्गदर्शन करें। आपका पत्र ही हमारा बल है। हम आपके सलाह को संजीवनी बूटी समझेंगे।

केवल सच

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

द्वारा:- ब्रजेश मिश्र

हमारा पता है :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड् नं.- 14, मकान संख्या- 14/28

कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)

फोन:- 9431073769/ 8340360961/ 9955077308

हमारा ई-मेल

kewalsach@gmail.com, editor.kstimes@rediffmail.com

kewalsach_times@rediffmail.com

कंपनी बनाम मालिक

ब्रजेश जी,

आपकी पत्रिका '**केवल सच**' समाज एवं सरकार को आईना दिखाने का नियमित रूप से कर रही है। मार्च 2025 अंक का संपादकीय ''**कंपनी बनाम पदाधिकारी**'' में वर्त्तमान समय में हो रहे भ्रष्टाचार की पूरी सच्चाई आपने रखा है कि किस प्रकार सरकार की योजनाओं को सरकारी तरीके से भ्रष्टाचार का रूप दिया जा रहा है। कंपनी, सरकार और पदाधिकारी के बीच बिचौलिए को मोटी रकम मिलती है जिसकी वजह से ऑनलाईन टेंडर भी माफिया (जुगाड़ी लाल) ही उठा ले रहे हैं। सटीक संपादकीय।

✦ रमेश वर्णवाल, अशोक नगर, नई दिल्ली

मारपीट

ब्रजेश जी,

झारखंड की कई खबरें पठनीय हैं लेकिन जिस प्रकार बिहार, यूपी में फैले भ्रष्टाचार को उजागर करती खबरे केवल सच प्रकाशित करती है उसी प्रकार की खबरें झारखंड प्रदेश का भी आना चाहिए ताकि सरकार कितना काम कर रही है और पदाधिकारी किस प्रकार राजस्व खाली करके अपना खजाना भर रहे हैं। मार्च अंक 2025 में ओम प्रकाश की खबर ''आपस में भिड़ें दो पक्ष, जमकर हुई मारपीट'' में सही बात को लिखा गया है। मैं भी उस वक्त उसी स्थल पर था इसलिए इस खबर से सही पत्रकारिता का पता चला।

✦ मुकंद सिंह, इंडस्ट्रीज कोकर चौक, राँची

भ्रष्टाचार

मिश्रा जी,

मैं केवल सच पत्रिका का नियमित पाठक हूं और इस पत्रिका का सभी खबरों को पढ़ता हूं। मार्च 2025 अंक में शशि रंजन सिंह एवं राजीव शुक्ला की संयुक्त खबरें विभाग में फैले भ्रष्टाचार को बिना लाग लपेट का उजागर करती है। आईजीआईएमएस और पर्यटन विभाग सहित राज्य स्वास्थ्य समिति में फैले भ्रष्टाचारियों पर लगातार खबरों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करा रहे हैं लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोई सरकार सिर्फ विज्ञापन के माध्यम से भ्रष्टाचार को समाप्त करना चाहती है। इस प्रकार की खबर से आपलोगों की जान खतरे में होगी। बच के रहिए।

✦पूर्ण सिंह, पाया संख्या-39, राजा बाजार, पटना

बाबाओं का जमघट

मिश्रा जी,

''बिहार में बाबाओं के प्रवचन या चुनावी प्रचार'' क्या है असल मकसद? मार्च 2025 अंक की अजय कुमार की खबर वास्तव में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर सटीक एवं विवेचना करती हुई समीक्षात्मक खबर है। आखिर बाबाओं को बिहार में लगातार कथा का आयोजन के पीछे चुनाव महत्वपूर्ण मकसद है इस बात से झुठलाया नहीं जा सकता। धर्म के आधार पर दो गुटों में बंटा वोटर भी धर्मसंकट में है कि आखिर देश की समस्याओं को समाप्त करने के बजाय कथा के माध्यम से संवाद करना बहुत बड़ा संदेश है। अजय कुमार की यह खबर को गंभीरता से पढ़ने पर सबकुछ स्पष्ट हो जाता है। सही खबर है।

✦ कौशल यादव, गुड़ की मंडी, गायघाट, पटना

स्तंभ

संपादक जी,

बेबाक एवं निर्भिक रूप से खबर को पाठकों के समक्ष लाने में केवल सच का प्रयास काफी है। अधिवक्ता शिवानंद गिरी जिस प्रकार प्रतिमाह कानूनी सलाह लिखते हैं उसी तरह ज्योतिषाचार्य तरूण झा का राशिफल भी स्थाई स्तंभ के रूप में प्रकाशित होने लगा है। इसी प्रकार स्वास्थ्य एवं कृषि पर भी सलाह पाठकों के समक्ष आना चाहिए। इस अंक में उत्तर प्रदेश एवं झारखंड की भी महत्वपूर्ण खबरों को मार्च अंक में प्रकाशित किया गया है जो पठनीय है। संपादकीय भी काफी सटीक है। भ्रष्टाचार की सही-सही खबर को भी खास स्थान दिया गया है।

✦ सुनील तिवारी, सम्राट कॉलोनी, पटना, बिहार

वाह से आह तक

संपादक जी,

योगी आदित्यनाथ की सरकार के 8 साल पूरे होने पर केवल सच पत्रिका के मार्च 2025 अंक में अजय कुमार की खबर ''**योगी सरकार के आठ साल वाह से आह तक**'' में उत्तर प्रदेश की व्यवस्था पर सटीक खबर पाठकों के समक्ष रखा है। दूसरी खबर ''मिशन 2027 की तैयारी'' में यूपर में नया चेहरा लाने की तैयारी में जुटी भाजपा पर उपयोगी समीक्षात्मक खबर राजनीति गलियारें में चर्चा का विषय बना हुआ है। तिसरी खबर ''योगी कैबिनेट में बदलाव और नये भाजपा अध्यक्ष की सुगबुगाहट'' भी पठनीय है। अजय कुमार की खबरें बेजोड़ होती है।

✦ दीपक पाण्डेय, मुगलसराय रेलवे क्वाटर,

अन्दर के पन्नों में

27

34

पटना में ऐतिहासिक प्रदर्शन.............82

89

RNI No.- BIHHIN/2006/18181, DAVP No.- 129888

समृद्ध भारत खुशहाल भारत

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्षः- 19,	अंकः- 227,	माहः- अप्रैल 2025,	मूल्यः- 20/- रू

फाउंडर

श्रद्धेय गोपाल मिश्र
श्रद्धेय सुषमा मिश्र

संपादक

ब्रजेश मिश्र

9431073769 8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com

kewalsach@gmail.com

प्रधान संपादक

अरूण कुमार बंका (एडमिन)	7782053204
सुरजीत तिवारी	9431222619
निलेन्दु कुमार झा	9431810505, 8210878854
सच्चिदानन्द मिश्र	9934899917
रामानंद राय	9905250798
डॉ० शशि कुमार	9507773579

संपादकीय सलाहकार

अमिताभ रंजन मिश्र	9430888060, 8873004350
अमोद कुमार	9431075402

महाप्रबंधक

त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9308815605, 9122003000

triloki.kewalsach@gmail.com

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

पूनम जयसवाल	9430000482, 9798874154
मनीष कुमार कमलिया	9934964551, 8809888819

उप-संपादक

प्रसुन्न पुष्कर	9430826922, 7004808186
ब्रजेश सहाय	7488696914
ललन कुमार	7979909054, 9334813587
पंकज कुमार सिंह	9693850669, 9430605967

राजनीतिक संपादक

सुमित रंजन पाण्डेय	7992210078
संतोष कुमार यादव	8210487516,

संयुक्त संपादक

अमित कुमार 'गुड्डू'	9905244479, 7979075212
राजीव कुमार शुक्ला	9430049782, 7488290565
काशीनाथ गिरी	9905048751, 9431644829
अविनाश कुमार	7992258137, 9430985773
कुमार अनिकेत	9431914317

सहायक संपादक

शशि रंजन सिंह	8210772610, 9431253179
मिथिलेश कुमार	9934021022, 9431410833
नवेन्दु कुमार मिश्र	9570029800, 9199732994
ऋषिकेश पाण्डेय	7488141563, 7323850870

समाचार प्रबंधक

सुधीर कुमार मिश्र	9608010907

ब्यूरो-इन-चीफ

संकेत कुमार झा	9386901616, 7762089203

विधि सलाहकार

शिवानन्द गिरि	9308454485
रवि कुमार पाण्डेय	9507712014

चीफ क्राइम ब्यूरो

सैयद मो० अकील	9905101976, 8521711976
आनन्द प्रकाश	9508451204, 8409462970

साज-सज्जा प्रबंधक

अमित कुमार	9905244479

amit.kewalsach@gmail.com

कार्यालय संवाददाता

सोनू यादव	8002647553, 9060359115

प्रसार प्रतिनिधि

कुणाल कुमार	9905203164

बिहार प्रदेश जिला ब्यूरो

पटना (श०) :-	श्रीधर पाण्डेय	9470709185
(म०) :-	गौरव कुमार	9472400626
(ग्रा०) :-	मुकेश कुमार	7004761573
बाढ़ :-		
भोजपुर :-	गुड्डू कुमार सिंह	8789291547
बक्सर :-	बिन्ध्याचल सिंह	8935909034
कैमूर :-		
रोहतास :-	अशोक कुमार सिंह	7739706506
:-		
गया (श०) :-	सुमित कुमार मिश्र	7667482916
(ग्रा०) :-		
औरंगाबाद :-		
जहानाबाद :-	नवीन कुमार रौशन	9934039939
अरवल :-	संतोष कुमार मिश्रा	9934248543
नालन्दा :-		
:-		
नवादा :-	अमित कुमार	9162664468
:-		
मुंगेर :-		
लखीसराय :-		
शेखपुरा :-		
बेगूसराय :-		
:-		
खगड़िया :-		
समस्तीपुर :-		
जमुई :-	अजय कुमार	09430030594
वैशाली :-		
:-		
छपरा :-		
सिवान :-		
:-		
गोपालगंज :-		
:-		
मुजफ्फरपुर :- .		
:-		
सीतामढ़ी :-		
शिवहर :-		
बेतिया :-	रवि रंजन मिश्रा	9801447649
बगहा :-		
मोतिहारी :-	संजीव रंजन तिवारी	9430915909
दरभंगा :-		
:-		
मधुबनी :-		
:-	प्रशांत कुमार गुप्ता	6299028442
सहरसा :-		
मधेपुरा :-		
सुपौल :-		
किशनगंज :-		
:-		
अररिया :-	अब्दुल कय्यूम	9934276870
पूर्णिया :-		
कटिहार :-		
भागलपुर, :-		
(ग्रा०) :-	रवि पाण्डेय	7033040570
नवगछिया :-		

दिल्ली कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर,
नई दिल्ली-110052
संजय कुमार सिन्हा, स्टेट हेड
मो०- 9868700991, 9431073769

उत्तरप्रदेश कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
................................., स्टेट हेड
सम्पर्क करें
9308815605

पश्चिम बंगाल कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
अजीत कुमार दुबे, स्टेट हेड
मो०- 9433567880, 9308815605

मध्य प्रदेश कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
अभिषेक कुमार पाठक, स्टेट हेड
मो०- 8109932505,

झारखंड कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव,
द्वितीय त्तल, फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001
मो०- 7903856569, 6203723995

छत्तीसगढ़ कार्यालय
केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
................................., स्टेट हेड
सम्पर्क करें
8340360961

संपादकीय व प्रधान कार्यालयः-

☞ पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या.- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार) मो०- 9431073769, 9955077308

☞ e-mail:- kewalsach@gmail.com, editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

☞ स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा सांध्य प्रवक्ता खबर वर्क्स, ए- 17, वाटिका विहार (आनन्द विहार), अम्बेडकर पथ, पटना 8000 14(बिहार) एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। RNI NO.-BIHHIN/2006/18181

☛ पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

☛ सभी प्रकार के वाद-विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।

☛ आलेख पर कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।

☛ किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।

☞ **सभी पद अवैतनिक हैं।**

☞ फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)

☞ कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।

☞ **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**

☞ भुगतान Kewal Sach को ही करें। प्रतिनिधियों को नगद न दें।

☞ A/C No. :- 0600050004768
BANK :- Punjab National Bank
IFSC Code :- PUNB0060020
PAN No. :- AAJFK0065A

☞ A/C No. :- 0600050004768
BANK :- State Bank of India
IFSC Code :- SBIN0003564
PAN No. :- AAJFK0065A

प्रधान संपादक

....

....

झारखण्ड स्टेट ब्यूरो

....

झारखण्ड सहायक संपादक

अभिजीत दीप 7004274675, 9430192929
ब्रजेश मिश्र 7654122344, 7979769647
अनंत मोहन यादव 9546624444, 7909076894

उप संपादक

अजय कुमार 6203723995, 8409103023

....

संयुक्त संपादक

....

विशेष प्रतिनिधि

भारती मिश्रा 8210023343, 8863893672

....

....

झारखण्ड प्रदेश जिला ब्यूरो

राँची :- अभिषेक मिश्र 7903856569
:- ओम प्रकाश 9708005900
साहेबगंज :-
खूँटी :-
जमशेदपुर :- तारकेश्वर प्रसाद गुप्ता 9304824724
हजारीबाग :-
जामताड़ा :-
दुमका :-
देवघर :-
धनबाद :-
बोकारो :-
रामगढ़ :-
चाईबासा :-
कोडरमा :-
गिरीडीह :-
चतरा :- धीरज कुमार 9939149331
लातेहार :-
गोड्डा :-
गुमला :-
पलामू :-
गढ़वा :-
पाकुड़ :-
सरायकेला :-
सिमडेगा :-
लोहरदगा :-

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)

पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स

09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका

एवं 'केवल सच टाइम्स'

एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,

लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020

फोन- 0612/3504251

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक "**मगध इंटरनेशनल स्कूल**" टेकारी

" **केवल सच** " पत्रिका **एवं** " **केवल सच टाइम्स** "

9060148110

sudhir4s14@gmail.com

कैलाश कुमार मौर्य

मुख्य संरक्षक

'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**

व्यवसायी

पटना, बिहार

7360955555

बिहार राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
पटना		
मगध		
सारण		
तिरहुत		
पूर्णिया	**धर्मेन्द्र सिंह**	9430230000 7004119966
भागलपुर		
मुंगेर		
दरभंगा		
कोशी		

विशेष प्रतिनिधि

महेश चौधरी	9572600789, 9939419319
आशुतोष कुमार	9430202335, 9304441800
शालनी झा	9031374771, 7992437667
बेंकटेश कुमार	8521308428, 9572796847
राजीव नयन	9973120511, 9430255401
दीपनारायण सिंह	9934292882
आनन्द प्रकाश पाण्डेय	9931202352, 7808496247
रामजीवन साहू	9430279411, 7250065417
कुमार राजू	9310173983,
रजनीश कांत झा	9430962922, 7488204140

छायाकार

त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9122003000, 9431096964
मुकेश कुमार	9835054762, 9304377779
जय प्रसाद	9386899670,
कृष्णा कुमार	9608084774, 9835829947

झारखंड राज्य प्रमंडल ब्यूरो		
राँची	गुड्डी साव	629970142
हजारीबाग		
पलामू		
दुमका		
चाईबासा		

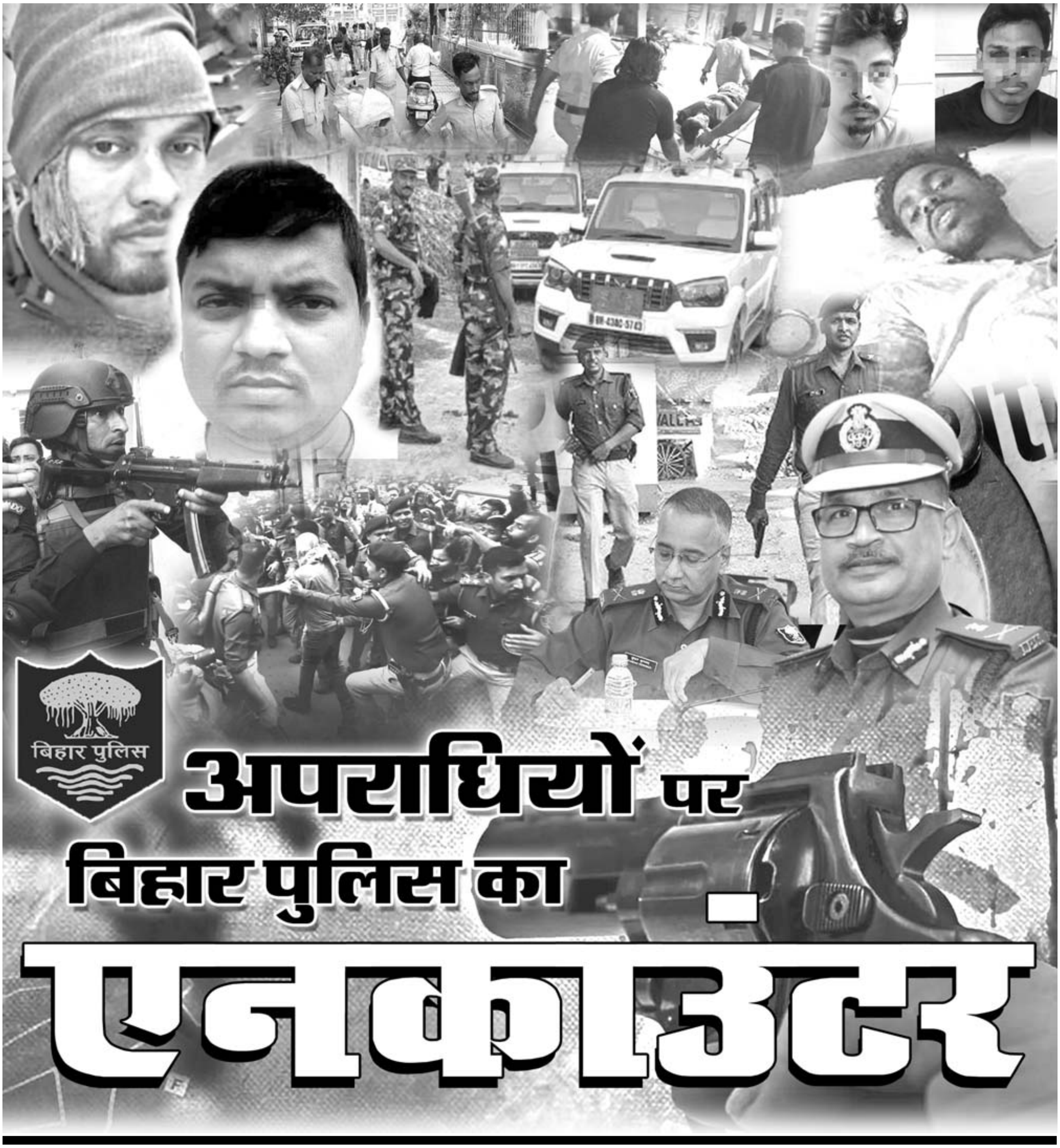

अपराधियों पर बिहार पुलिस का एनकाउंटर

● **अमित कुमार**

'अगर अपराधी पुलिसकर्मियों को कट्टा–पिस्टल दिखाते हैं, तो पुलिस को सीधे गोली चलाने की अनुमति दी गई है। आत्मरक्षा के नाम पर कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी', ये कहना है एडीजी कुंदन कृष्णन का। बिहार में हाल के दिनों में हुई आपराधिक घटनाओं ने राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने होली के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में पुलिसकर्मियों और सरकारी संपत्ति पर हुए हमलों को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन और एडीजी लॉ एंड आर्डर पंकज दराद ने इस दौरान कई अहम जानकारियां साझा करते हुए कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाने का संकेत दिया था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पुलिस पर हमला किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और यदि जानलेवा स्थिति उत्पन्न हुई तो पुलिस गोली चलाने से भी पीछे नहीं हटेगी। वहीं जिन लोगों ने पुलिस पर हमला किया है, उनका हश्र बहुत बुरा होगा। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने बताया कि होली के त्योहार के दौरान राज्य के कम से कम 10 जिलों में पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अमले पर हमले हुए। इनमें मुंगेर,

- अगर अपराधी कट्टा दिखाएंगे, तो पुलिस को फायरिंग की छूट है।

एडीजी हेडक्वार्टर, कुंदन कृष्णन

- कुछ लोगों के पास 10-12 बॉडीगार्ड हैं, जबकि वास्तविक जरूरत केवल 2-3 की होती है. इन संसाधनों का उपयोग जनता की सुरक्षा में किया जाएगा।

पंकज दराद, एडीजी लॉ एंड आर्डर

भागलपुर, बेगूसराय, वैशाली, और समस्तीपुर जैसे संवेदनशील जिले शामिल हैं। मुंगेर में तो 112 इमरजेंसी रिस्पांस टीम पर भी हमला किया गया, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी घायल हुआ। जिसके सर पर डंडा लेकर हमला किया गया और सर पर गहरी चोट लगी और इलाज के क्रम में मौत हो गई। कई जगहों पर पुलिस वाहनों और चौकियों पर पथराव की घटनाएं भी दर्ज की गईं। ''ये घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि राज्य सरकार के प्रति अराजक तत्वों की बगावत भी है। हम इन्हें बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। एडीजी हेडक्वार्टर, कुंदन कृष्णन ने स्पष्ट कहा कि 'अगर अपराधी कट्टा दिखाएंगे, तो पुलिस को फायरिंग की छूट

है'। मुंगेर में हुई घटना ने प्रशासन को हिलाकर रख दिया। दरअसल, होली के दिन जब 112 की टीम एक इमरजेंसी कॉल पर पहुंची, तो एक समूह ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। हमलावरों ने वाहनों को नुकसान पहुंचाया। इस घटना में एक सुरक्षाकर्मी के सिर में चोट आई, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। एडीजी दराद ने इस घटना को 'असहनीय' बताते हुए कहा कि आपातकालीन सेवाओं पर हमला समाज के खिलाफ अपराध है। एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर किसी पुलिसकर्मी की जान को खतरा होगा, तो वह आत्मरक्षा में गोली चलाने के लिए बाध्य होगा। हमने अपने जवानों को यह निर्देश दिए हैं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए हर कदम उठाएं।

गौरतलब है कि बिहार में हाल के दिनों में हुई आपराधिक घटनाओं ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार

फिर बहस छेड़ दी है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर अपराध नियंत्रण में विफल रहने का आरोप लगाया है। लेकिन, क्या बिहार में अपराध दर वास्तव में बढ़ रही है या यह केवल एक राजनीतिक विमर्श मात्र है? बिहार में हाल ही में हुई कुछ बड़ी वारदातों ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं :-

☞ **अररिया में पुलिस टीम पर हमला :-** पुलिस एक अपराधी को गिरफ्तार करने गई थी, लेकिन ग्रामीणों ने उसी पर हमला कर दिया। ग्रामीणों में आपराधिक तत्वों के शामिल होने की भी आशंका है, जिनपर आरोप है कि उन्होंने पुलिस एएसआई की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उस अपराधी को भगाने में भी सफल रहे, जिसकी तलाश में पुलिस ने दबिश दी थी।

☞ **आरा में करोड़ों की लूट :-** तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में फिल्मी अंदाज में कुछ ही मिनटों में 25 करोड़ रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया गया।

☞ **पटना में दिन-दहाड़े मुठभेड़ :-** अपराधियों और पुलिस के बीच राजधानी में दिन-दहाड़े मुठभेड़ हुई, जिसने कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

दिगर बात है कि पटना में में बाइक सवार अपराधियों ने जदयू नेत्री सोनी देवी को

गोली मार दी। उनके हाथ और सीने में गोली लगी। गंभीर हालत में उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के उत्तरी मंदिरी में हुई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार तीन अपराधियों ने महिला को गोली मार दी। गोली लगते ही महिला बेहोश होकर गिर गई। आननफानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इधर, घटना सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाना अध्यक्ष सदानंद साह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में भी जुटी है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। वहीं कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि शराब माफियाओं द्वारा इस वारदात को अंजाम दिया गया है। वहीं परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की गिरफ्तारी करे। वही हालिया घटना में एक बड़ी घटना भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव की रही, जहां एक बारात में मामूली विवाद को लेकर कुछ लोगों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग की गयी। इस फायरिंग की घटना में गोली लगने से किशोर सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृत युवक लहरपा गांव निवासी राहुल कुमार और लवकुश बताया जा रहा हैं। घायलों में उसी गांव का अप्पू कुमार, पंकज कुमार और नारायणपुर थाना क्षेत्र के भलुनी गांव का निवासी अक्षय सिंह है। इनमें कुछ घायलों का इलाज सदर और कुछ का निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। हालांकि घटना का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन गांव में थार कार से दूसरी गाड़ी के सटने के विवाद में वारदात को अंजाम देने की चर्चा चल रही है। वही थानाध्यक्ष रणवीर कुमार के नेतृत्व में पहुंची पुलिस मामले की छानबीन और गोलीबारी करने वालों की धरपकड़ में जुट

गई है। एएसपी परिचय कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। एसपी राज ने बताया कि अभी तक एक की मौत और चार लोगों को गोली लगने की बात सामने आयी है। घटना के कारणों की छानबीन की जा रही है। फायरिंग करने वालों की पहचान और धरपकड़ का प्रयास किया जा रहा है। इधर, फायरिंग में मौत और चार लोगों के जख्मी होने की घटना से बारात में भगदड़ और अफरातफरी मच गई। बाराती और साराती भाग खड़े हुए। द्वारपूजा कार्यक्रम में बिघ्न पड़ गया। ग्रामीणों सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लहरपा गांव निवासी किसान सलाहकार कमलेश कुमार के घर बारात आयी थी। लड़की के दरवाजे पर द्वारपूजा का कार्यक्रम चल रहा था, तभी कुछ लोग एक थार गाड़ी से पहुंचे। गली तंग होने के कारण थार और दूल्हे की गाड़ी आपस में सट गई। इस दौरान थार गाड़ी के शीशा टूट गये। उससे गुस्साए थार सवार लोगों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की जाने लगी। जिसमें पांच लोगों को गोली लग गई और एक की मौत हो गई। एक घटना पटना के दानापुर इलाके से लापता केंद्रीय विद्यालय की 10वीं की छात्रा को लेकर है, जिसकी संदिग्ध हालत में 198 किलोमीटर मुंगेर के पास रेलवे ट्रैक पर मृत पाई गई। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट के मामले को हत्या की प्राथमिकी में बदल दिया है। पुलिस ने कहा कि लड़की सेना के जवान अमरेश कुमार की बेटी है, जो वर्तमान में झारखंड के पाकुड़ में विशेष सहायक पुलिस (एसएपी) जवान के रूप में तैनात हैं। जीआरपी ने दावा किया था कि लड़की की ट्रेन से गिरने के बाद मौत हो गई, जबकि छात्रा के परिवार ने इस मामले में साजिश का आरोप लगाया है। अमरेश को संदेह है कि उनकी बेटी की हत्या कहीं और की गई है। प्रारंभिक

जांच से पता चला है कि छात्रा की कोहनी टूटी हुई थी, उसका हाथ भी फ्रैक्चर था और उसके सिर और चेहरे पर गहरी चोट के निशान थे। छात्रा के जूते, आईकार्ड, स्कूल यूनिफॉर्म और उसका स्कूल बैग उसके शव के पास ही बरामद हुआ। आई कार्ड के आधार पर उसकी पहचान हुई है, जिसके बाद जीआरपी ने पहचान के लिए दानापुर पुलिस के साथ ही मृतका के परिजनों को सूचना दी। दानापुर थाने के एसएचओ प्रशांत भारद्वाज के मुताबिक नूरपुर चांदमारी निवासी आयुष रंजन ने 17 अप्रैल को अपनी बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आयुष ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसकी बहन साइकिल से क्लास के लिए घर से निकली थी। अपने तय शेड्यूल के मुताबिक वो दोपहर 12.25 से 2.30 बजे तक मैनपुरा में कोचिंग क्लास भी गई थी। शाम को जब वो घर नहीं लौटी तो उसके परिजनों ने तलाश शुरू की और उसके कोचिंग टीचर और दोस्तों से मिले। लेकिन उसका पता नहीं चलने पर छात्रा के परिजनों ने दानापुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतका केवी में अपनी क्लास में गई थी, लेकिन वो कोचिंग क्लास में नहीं गई थी। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक वो मैनपुरा इलाके की ओर जाती दिखी। लड़की के पिता अमरेश ने कहा कि मेरे परिवार को अगली शाम जमालपुर में जीआरपी कर्मियों से फोन आया कि उसका शव रेल की पटरियों पर पड़ा है। हम मुंगेर सदर अस्पताल पहुंचे और 18 अप्रैल की देर रात छात्रा का शव लेकर लौटे। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, पुलिस जांच करेगी कि लड़की अभयपुर रेलवे

स्टेशन के पास कैसे पहुंची, जो उसके स्कूल से करीब 200 किलोमीटर दूर है। उन्होंने कहा कि पुलिस आस-पास के स्थानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी और स्थानीय लोगों और दोस्तों से छात्रा के बारे में पूछताछ भी करेगी।

बहरहाल, बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य में अपराध की घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। खासकर केंद्रीय मंत्रियों के रिश्तेदारों पर हुए हमलों को लेकर उन्होंने सरकार पर सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बिहार की स्थिति को चिंताजनक बताया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रमाणित बिहार के कथित मंगलराज की चंद घंटों की कुछ झलकियां। केंद्रीय मंत्री के मामा की हत्या। केंद्रीय मंत्री के भांजे की हत्या। जदयू विधायक की पुत्रवधू की हत्या, डॉक्टर की क्लिनिक में घुस कर हत्या। डॉक्टर की हॉस्पिटल में घुस कर हत्या, वैशाली में एनआरआई की गोली मार कर हत्या। सरकारी शिक्षक की गोली मार कर हत्या। सिवान में व्यवसायी की गोली मार कर हत्या, कितनी हत्याएं गिनाएं और किसे गिनाएं? तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि भ्रष्ट और रिटायर्ड अधिकारियों का एक समूह नीतीश सरकार चला रहा है। बिहार में प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है। हर तरफ भ्रष्टाचार और अपराध का बोलबाला है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राज्य को ठीक से नहीं चला रही है। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक भांजे की मौत हो गई थी। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री राज भूषण निषाद के मामा पर भी गोली चलाई गई थी, जिसमें वे घायल हो गए थे। तेजस्वी यादव ने इन घटनाओं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। वही बीजेपी-नीतीश और अपराधियों के गठजोड़ से संचालित एनडीए सरकार में घटित विगत कुछ दिनों की केवल और केवल चंद आपराधिक घटनाएं गिनिए, जिनमें :-

1. सीतामढ़ी में युवक की धारदार हथियारों से हत्या।
2. पटना में युवक की गोली मारकर हत्या।
3. गया में मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग की हत्या।
4. सहरसा में युवती की हत्या।
5. मधुबनी के हरलाखी में एक व्यक्ति की हत्या।

6. मुंगेर में लड़की की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या।
7. सहरसा में चाकू से गोद कर एक व्यक्ति की हत्या।
8. जमुई में मोबाइल कंपनी के सेल्स मैनेजर की मुंह में गोली मारकर हत्या।
9. किशनगंज में महिला की हत्या।
10. सीतामढ़ी में युवक की पीट-पीट कर हत्या।
11. पटना सिटी के फ्लोर मिल में कर्मचारी की हत्या।
12. पटना में डबल मर्डर, युवक-युवती की हत्या।
13. बेतिया में बेटी को बचाने गए पिता की चाकू से गोद कर बेरहमी से हत्या।
14. अररिया में महिला की चाकू से कई वार कर हत्या।
15. दरभंगा में शिक्षक की हत्या।
16. मुंगेर में साढ़े तीन साल के मासूम की हत्या।
17. सुपौल में नशे दवा विक्रेता की गोली मार हत्या।
18. रोहतास में गरीब की पीट पीटकर हत्या।
19. हाजीपुर में युवक की हत्या।
20. सीवान में दो लोगों की गोली मारकर हत्या।
21. पटना में युवक की हत्या।
22. सिवान के मैरवा में युवक की गोली मारकर हत्या।
23. मुंगेर में महिला की

पीट पीटकर हत्या।
24. गया के अतरी में घर में सो रहे युवक की गोली मार हत्या।
25. पटना के फतुहा में अपराधियों ने दो भाइयों को मारी गोली।
26. पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन में चालक की हत्या।
27. सहरसा के सत्तरकटैया में दिनदहाड़े शिक्षक की गोली मारकर हत्या।
28. अरवल के करपी में किसान की सरेआम हत्या।
29. मुजफ्फरपुर के बरियारपुर थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला की गला रेत कर हत्या।
30. वैशाली के जंदाहा में मां की चेन छीनने के विरोध पर छत्‌ पुत्र की गोली मारकर हत्या।
31. मुजफ्फरपुर में अधेड़ की हत्या।
32. हाजीपुर में एक वकील के बेटे की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या।
33. झाझा से जदयू विधायक की बहू की संदिग्ध मौत, परिजनों ने कहा हुई हत्या।
34. भागलपुर में युवक की गोली मार हत्या।
35. पटना के नौबतपुर में कारोबारी की दौड़ा दौड़ा कर गोली मारकर हत्या।

36. बेगूसराय में युवक की निर्मम हत्या।
37. जमुई में बुजुर्ग दंपति की तेज धारदार हथियार से हत्या।
38. पटना सिटी में युवक की लाठी डंडे से पीट-पीट कर हत्या।
39. रोहतास जिले के चुटिया थाना क्षेत्र में मां बेटी की हत्या।
40. वैशाली में व्यक्ति की ईंट से सर कुचलकर कर बेरहमी से हत्या।
41. पटना के नौबतपुर में युवक की गोली मारकर हत्या।
42. भोजपुर जिले के सेमरा में दो की हत्या।
43. मुजफ्फरपुर में लोको पायलट की हत्या।
44. अररिया में ौ॰ की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या।
45. लखीसराय में 16 साल की युवक की हत्या।
46. मोतिहारी में चाकू मार कर युवक की हत्या।
47. मुंगेर में किशोर की हत्या।
48. बेगूसराय में बुजुर्ग महिला की हत्या।
49. शिवहर के पिपराही में व्यक्ति की चाकू मार हत्या।
50. रोहतास के कछवा में 16 साल की लड़की की हत्या।
51. मुंगेर में एएसआई की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या।
52. खगड़िया में भट्ठा मजदूर की हत्या।
53. जमुई में अधेड़ की हत्या।
54. मुंगेर के हवेली खड़गपुर में महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या।
55. सासाराम में महिला की गला दबाकर हत्या।
56. खगड़िया में रंगदारी नहीं देने पर दिहाड़ी मजदूर की गोली मारकर हत्या।
57. गया में बदमाशों ने सेना के जवान की पीट-पीट कर की हत्या।
58. जमुई के सिकंदरा में युवक की हत्या।
59. पटना के विधायक कॉलोनी में डेकोरेटर की हत्या।
60. पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा में गोली मारकर अधेड़ की हत्या।
61. पटना के फुलवारी शरीफ में युवक के सिर में गोली मारकर हत्या।
62. कटिहार के कुर्सेला में लूट के बाद हत्या।
63. पटना के फुलवारी शरीफ में नाबालिग की गोली मार हत्या।
64. लखीसराय के चानन में महिला की हत्या।
65. जमुई के रामगढ़वा में शख्स की गोली मार कर हत्या।
66. पूर्वी चंपारण के मधुबन में आठवीं के छात्र की हत्या।
67. सारण में गला घोट का 3 साल के बालक की हत्या।
68. सारण के गोल्डनगंज में लड़की की हत्या।
69. अररिया के जोगबनी थाना क्षेत्र में कबाड़ी कारोबारी की हत्या।
70. समस्तीपुर में युवक की गोली मारकर हत्या।
71. नालंदा में एक महिला के पैरों के तलवे में कीलें ठोक कर हत्या।
72. पटना के माल सलामी में होटल संचालक की गोली मारकर हत्या।
73. मुजफ्फरपुर के जैतपुर में स्टूडियो संचालक की गोली मारकर हत्या।
74. मधेपुरा के भर्राही थाना क्षेत्र में अपराधियों ने युवती की गोली मारकर हत्या।
75. रोहतास जिले के बिक्रमगंज में सर पर गोली मारकर युवक की हत्या।
76. मधेपुरा के पुरैनी में व्यवसायी के सिर में

गोली मारकर हत्या।
77. छपरा के भगवान बाजार में चोरी के दौरान महिला की गला दबाकर हत्या।
78. सासाराम के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में युवक की गोली मारकर हत्या।
79. सारण के जलालपुर में दो युवकों की गोली मारकर हत्या।
80. आरा के जगदीशपुर में प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण कर हत्या।
81. पटना के गौरीचक में महिला की गोली मार हत्या।
82. दरभंगा के बिरौल में महिला की हत्या।
83. जमुई के मोहनपुर में 14 वर्षीय लड़की की हत्या।
84. नवादा में शेल्टर होम सुपरीटेंडेंट की हत्या।
85. बेतिया में बुजुर्ग महिला को मारी गोली।
86. वैशाली में सैनिक को दो बदमाशों ने मारी गोली।
87. मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने पिता-पुत्र को मारी गोली।
88. बेगूसराय के मटिहानी में घर के बाहर बैठे युवक को बदमाशों ने मारी गोली।
89. मधुबनी में बाइक सवार अपराधियों ने दुकानदार को मारी गोली।
90. पटना के फतुहा में बेखौफ बदमाशों ने दो सगे भाइयों पर बरसाई गोलियां।
91. गोपालगंज में अपराधियों ने लाइन होटल संचालक को मारी गोली।
92. चेरिया बरियारपुर में केंद्रीय मंत्री के रिश्तेदार को अपराधियों ने मारी गोली।
93. फुलवारी शरीफ में एम्स के समीप महिला को मारी गोली।
94. पटना के गर्दनीबाग में युवक को मारी गोली।
95. सारण के सोनपुर में बाइक सवार अपराधियों ने बैंक कर्मचारी को मारी गोली।
96. हाजीपुर में बाइक सवार बदमाशों ने डॉक्टर के क्लीनिक में घुसकर मारी गोली।
97. आरा शहर के नवादा थाना क्षेत्र में युवक को बदमाशों ने मारी गोली।
98.सहरसा के सदर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक युवक को मारी गोली।
99. सासाराम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में युवक को मारी गोली।
100. बेगूसराय में घर में घुसकर लड़की को मारी गोली।
101. पटना के मलाही पकड़ी में महिला को लगी गोली।
102. जमुई में युवक को मारी गोली।
103. पटना में ऑनलाइन परीक्षा केंद्र के संचालक को मारी गोली।
104. भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर को मारी गोली।
105. गोपालगंज के मीरगंज में युवक के मुंह में पिस्टल घुसाकर मारी गोली।
106. आरा के बड़हरा में युवक को मारी गोली
107. मधुबनी नगर थाना क्षेत्र में पूर्व वार्ड पार्षद के बेटे को सरेआम मारी गोली।
108. पटना के बाढ़ में काजीचक मोहल्ला में ज्वेलरी शॉप पर फायरिंग।
109. बेगूसराय के रतनपुर थाना क्षेत्र में जेवर दुकान से लूट बाद बदमाशों ने की फायरिंग।
110. नालंदा के नूरसराय में दुकान में घुसकर बदमाशों ने की गोलीबारी।
111. किशनगंज में जवानों पर हमला।
112. मुजफ्फरपुर में पुलिस टीम पर हमला।
113. मुंगेर में 112 की टीम पर हमला।
114. नवादा में पुलिस टीम पर हमला।
115. भागलपुर में पुलिस टीम पर हमला।
116. जमुई में पुलिसकर्मियों पर हमला।
117. पटना के रानीपुर तालाब में पुलिस टीम पर हमला।

✯ अन्य अपराधिक घटना :-

118. जदयू के पन्ना लाल पटेल के भांजा कौशल सिंह की गोली मारकर हत्या।
119. केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम माँझी की नातिन की गोली मारकर हत्या।
120. बीजेपी सांसद जनार्दन सिग्रीवाल और जिलाधिकारी पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला।
121. बिहार सरकार में वर्तमान मंत्री एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी का दिनदहाड़े मोबाइल और पर्स चोरी।
122. कुछ दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री नित्यानंद के भांजे की गोली मारकर हत्या की गयी थी।
123. कुछ दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री राजभूषण चौधरी के मामा को भी गोली मारी थी।
124. महिला अधिकारी पर कार्यालय में हमला।
125. विभिन्न जिलों में विभिन्न पुलिस टीमों पर हमला।
126. बकौल बिहार पुलिस तनिष्क ज्वेलरी शोरूम से करोड़ों के गहने लूटने वालों से गंगा पार करते वक्त दूसरे लूटेरों ने लूट की। लूटेरों से भी लूट? गजब।

सरकार का इकबाल खत्म होने पर ही अपराधियों का इस कदर हौसला बढ़ता है। उपरोक्त घटनाओं में आप अपराधियों की हिम्मत और हौसला देखिए। मीडिया, संभ्रांत वर्ग और बुद्धिजीवी लोग इसे विधि व्यवस्था की समस्या कतई नहीं कहेंगे। क्या इन लोगों को ध्वस्त विधि व्यवस्था में संपन्न ऐसी बेकाबू आपराधिक घटनाएँ भी राज्यहित में मंगलकारी प्रतीत होती है? एनडीए के घटक दल क्या इन घटनाओं को मान रहे हैं, जो मुँह में दही जमा कर बैठे है? हर बात में जाति ढूँढने वाले बिहार के एक उपमुख्यमंत्री को इन

अपराधों सहित सभी आपराधिक वारदातों और अपराधियों की भी जाति बता देनी चाहिए ताकि प्रदेशवासियों को भी यथास्थिति की जानकारी रहे। मैं पूर्ण रूप से आश्वस्त हूँ कि बिहार के अचेत मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री को तो इन घटनाओं की जानकारी भी नहीं होगी, इसलिए सरकार में कोई भी व्यक्ति प्रदेश में व्याप्त अराजक स्थिति, बेलगाम अपराध व अनियंत्रित भ्रष्टाचार पर आधिकारिक बयान नहीं दे सकता। वही आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब तो हालात इस तरह के हो गए हैं कि सुबह काम से निकलने वाला व्यक्ति अपने परिवार को ये भरोसा भी नहीं दिला पा रहा है कि वो शाम को घर लौट पाएगा भी या नहीं। पूरी कानून-व्यवस्था अचेत है, अपराधियों की जातियां खोजने में लगी हुई है, ताकि अपराध की आड़ में जातिवाद का घिनौना खेल खेला जाए। आरजेडी नेता ने आगे कहा कि बिहार में गुंडाराज की खौफनाक तस्वीर लोगों के रोंगटे खड़े करने वाली है। शादी में काम करने से मना किया तो अभिजात मानसिकता के लोगों ने सीने में पांच गोलियां दाग दी। प्रशासन उस केस को अलग रुख देना चाहता है। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि नालंदा जिले के चंडी में एक चौधरी परिवार को पीट-पीटकर मार दिया गया। सासाराम, सीतामढ़ी, राजू सिंह कुशवाहा और अजीत सिंह कुशवाहा की हत्या, महतो की हत्या हुई है। किसी नाई को इसलिए मार दिया जाता है क्योंकि वो देर से काम करने पहुंचता है। किसी के पूरे परिवार को बस गाड़ी साइड लगाने को कहने पर गोलियों से भून दिया जाता है। बिहार हत्या की गूंज से थर्रा चुका है। बिहार अपराधियों की चपेट में है। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बिहार

में गुंडाराज कायम हो गया है। बदमाशों ने दलित-पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि चार लोग सरकार चला रहे हैं। बीजेपी और चार उनके किरदार, चाहे वो ललन सिंह हों या संजय झा, चाहे डीके बॉस हो या फिर विजय चौधरी हों, ये सरकार नहीं बल्कि सत्ता संरक्षित गुंडाराज चल रहा है। कई तरह की धमकियां दी जा रही हैं। प्रशासन ने अपना मनोबल इस तरह से गिरा दिया है जैसे उन्होंने अपराधियों के सामने घुटने टेक दिए हैं। बिहार के लोग इन दिनों काफी आक्रोशित हैं। पिछड़े-दलित, आदिवासी वर्ग के लोगों की हत्या की जा रही है। बिहार को गुंडाराज से मुक्ति चाहिए।

बहरहाल, अपराधिक घटनाओं पर पैनी नजर गड़ायी विपक्ष को सत्ताधारी शासन से सवाल करने का मौका खुद ही मिलने लगा है, ऐसे में अपराध और अपराधियों को लेकर विरोधियों को जवाब देना मजबूरी ही नहीं बल्कि जवाबदेही भी सरकार की बनती है। ऐसे में जेडीयू विधायक पन्नालाल के भांजे और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के कथित रिश्तेदार की हत्या पर डेप्युटी सीएम सम्राट चौधरी का बयान आया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की ओर से उठाए गए सवालों पर सम्राट चौधरी ने इसे बढ़ते क्राइम का मामला मानने से मना कर दिया है। सम्राट चौधरी ने पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यही तो उनकी मूर्खता है। किसी के पारिवारिक झगड़े में कोई हत्या हुई हो। पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या जैसा कि बताया है। ये उनके परिवार का इश्यू है। ये कोई अपराध नहीं है। उन्होंने कहा कि तनिष्क लूट कांड में तमाम आरोपियों की चुन-चुनकर गिरफ्तारी हुई या पुलिस ने एनकाउंटर करने का काम किया। ये राजद की सरकार नहीं है। यह

लालू प्रसाद यादव की सरकार नहीं है। इसमें मुख्यमंत्री कार्यालय से सत्ता चलेगी। यहां जो भी अपराधी अपराध करेंगे उन्हें जेल जाना पड़ेगा। जो अपराधी कट्टा या हथियार दिखाएगा, उसको पुलिस ठोकने का भी काम करेगी। बता दें कि बिहार में अपराध के बढ़ते मामलों पर राजनीति गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने 117 आपराधिक घटनाओं की एक लिस्ट जारी की है। तेजस्वी ने आरोप लगाया है कि बिहार में अपराधियों का राज है। सरकार अपराधियों के साथ मिली हुई है। इस पर बिहार पुलिस ने पलटवार किया है। पुलिस ने कहा है कि वह अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने इस साल 1632 लोगों को जेल भेजा है। तेजस्वी यादव और बिहार पुलिस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। यह सब बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर हो रहा है। बिहार में क्राइम रेट को लेकर खूब बातें हो रही हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साध रहे हैं। सरकार की तरफ से एनडीए के नेताओं और बिहार पुलिस ने भी जवाब दिया है। तेजस्वी यादव ने भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर 117 आपराधिक घटनाओं की लिस्ट जारी की। तेजस्वी यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अपराधियों की सरकार, अपराधियों के लिए।' इसका मतलब है कि यह सरकार अपराधियों की है और उनके लिए ही काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इतने सारे मर्डर होने के बाद भी मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर अपराधियों के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बिहार में शासन को चौपट राज बताया है।

गौरतलब है कि विपक्ष द्वारा लगातार बढ़ते अपराध पर सरकार को घेरे जाने के बाद से सकते में आयी बिहार पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फॉर्मूले को आजमाने की कोशिश बिहार में कर दी है। बता दें कि बिहार के मुंगेर में एएसआई संतोष कुमार सिंह की हत्या के आरोपी गुड्डू यादव को पुलिस ने पकड़ लिया, लेकिन जब उसे गिरफ्तार कर लाया जा रहा था तो इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश की। जिसके बाद सेल्फ डिफेंस में हुई फायरिंग में एक गोली गुड्डू के पैर में लगी। इस दौरान पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि अपराधी जिस भाषा में समझेंगे प्रशासन उसी भाषा में समझाएंगे। अगर एनकाउंटर की जरूरत हो तो करो। सरकार की तरफ से पूरी छूट है। पटना स्थित अपने आवास पर परिजनों और मित्रों के साथ होली मनाने के दौरान एएनआई से बातचीत के दौरान मुंगेर की घटना को दुखद बताते हुए कहा कि इस मामले में सरकार कार्रवाई करेगी, अपराध को खत्म करने के लिए सरकार कार्रवाई कर रही है। सुशासन के लिए हम सत्ता में हैं और एक्शन लेंगे। प्रशासन पर कोई हमला नहीं कर सकता, ऐसे लोगों को चिन्हित करेंगे और प्रशासन समझाएगा। अपराधी जो भाषा में समझता है उसी भाषा में समझाएं। अगर एनकाउंटर की जरूरत हो तो करो। सरकार की तरफ से खुली छूट है जिस भाषा में अपराधी समझता है उस भाषा में समझाएं। इस बाबत बिहार में जहां पुलिस पर लगातार हमले हो रहे हैं, वहीं पिछले दिनों बिहार पुलिस ने अपना तेवर भी बदला है। बिहार में अपराध और अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसा जाने लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सख्त निर्देश के बाद अपराध के खिलाफ बिहार पुलिस एक्शन मोड में आ चुकी है। बीते कुछ दिनों में बिहार के विभिन्न हिस्सों में पुलिस ने कई कुख्यात बदमाशों का एनकाउंटर किया है, वहीं दर्जनों को गिरफ्तार भी किया गया है। अपराधियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है।

बताते चले कि बिहार पुलिस अब एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसके बाद से अब सूबे में यह कहा जाना शुरू कर दिया गया है कि राज्य के अंदर अपराधियों की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। बिहार पुलिस भी अब योगी मॉडल अपनाते हुए अपराधियों का सीधे एनकाउंटर कर रही है। बता दें कि 36 घंटो में 4 से अधिक अपराधियों का एनकाउंटर हो कर दिया गया। बिहार पुलिस ने होली के दौरान हुई हिंसा और अपराध की घटनाओं के बाद कड़ा रुख अपना लिया है। दो पुलिसकर्मियों की हत्या और पांच जिलों में पुलिस पर हमले की घटनाओं के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। विधानसभा में कानून-व्यवस्था को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसके बाद पुलिस ने भी अपराधियों को 'योगी मॉडल' की तरह जवाब देने का फैसला किया है। ज्ञात हो कि बिहार पुलिस से मिले आंकड़ों के अनुसार इस साल अपराधियों से पुलिस के मुठभेड़ की चार घटनाएं हुई हैं, जिनमें एसटीएफ ने 50-50 हजार रुपये के दो इनामी अपराधियों को मार गिराया। इन्ही में से एक नाम पूर्णिया का कुख्यात डाकू बाबर का है। पूर्णिया में एसटीएफ और जिला पुलिस ने मिलकर मुठभेड़ में इनामी डाकू को मार गिराया है। जिस डाकू को पुलिस ने मौत के घाट उतारा है। उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। जिले के अमौर थाना से करीब 2 किलोमीटर दूर एसटीएफ और पूर्णिया पुलिस की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में बदमाश बाबर को एनकाउंटर में ढ़ेर कर दिया गया। पूर्णिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गयी। बाबर के चल रहे अभियान में पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा ने खुद मोर्चा संभाल रखा था। उनके साथ पांच थाने की पुलिस भी मौजूद थी। इस मामले में सदर एसडीपीओ ने बताया कि मृतक बाबर पर डकैती और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले विभिन्न थाने में दर्ज हैं। उस पर पुलिस मुख्यालय की ओर से 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। वह वर्षों से फरार चल रहा था। उसे पकड़ने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान उसने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की। लेकिन जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। कुख्यात बाबर मूल रूप से किशनगंज का रहने वाला था। पूर्णिया समेत पूरे सीमांचल इलाके में वह आतंक बन गया था। पुलिस कई कांडों में उसकी तलाश कर रही थी। इससे पहले एसटीएफ ने मधेपुरा में कुख्यात प्रमोद यादव का एनकाउंटर किया था। उस पर भी लूट, डकैती, रंगदारी जैसे गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रमोद यादव पर तीन लाख का इनाम रखा गया था। वही हाजीपुर

में पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हुआ। इस घटना में दो अपराधी गोली लगने से घायल हो गये। गोली लगने के बाद पुलिस उन अपराधियों को अस्पताल लेकर पहुंची। पुलिस का दावा है कि एनआरआई युवक की हत्या में भी ये दोनों शामिल थे। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के दिलावरपुर हेमती चंवर बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास की है। अपराधी की पहचान नगर थाना क्षेत्र के चिकनौटा गांव निवासी सुनील राय के पुत्र विशाल कुमार उर्फ फुदेना (23) एवं बिदुपुर थाना क्षेत्र के गोपाल चकनई गांव निवासी ज्वाला राय के पुत्र सुशील कुमार (20) के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी विशाल कुमार उर्फ फुदेना पर 10 से ज्यादा मामले हैं। वहीं सुशील पर भी 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। उन अपराधियों पर हत्या, लूट, रंगदारी, डकैती एवं आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। एनकाउंटर में पुलिस ने दो को पैर में गोली मारी है। पुलिस का कहना है कि दोनों की तलाश पटना एसटीएफ काफी समय से कर रही थी। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात बदमाश सुनील तथा सुशील किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए बिदुपुर थाना क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते एसटीएफ की स्पेशल टीम बिदुपुर थाना क्षेत्र में घेराबंदी करने लगी। इसी दौरान एसटीएफ ने बिदुपुर के दिलावरपुर हेमती चंवर के पास बदमाशों को घेर लिया। पुलिस से घिरते देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया, तब पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों बदमाशों को पैर में गोली मार कर घायल कर दिया। बताया गया कि गोली लगने के बाद भी दोनों बदमाश कुछ दूर तक भागने का प्रयास किया। लेकिन गोली लगने के कारण वह भाग नहीं सके और पुलिस ने खदेड़कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों का इलाज सदर अस्पताल में हो रहा है। ज्ञात हो कि बिहार पुलिस द्वारा आठ नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया है। बिहार पुलिस के कड़े कदम उठाये जाने से अपराधियों में दहशत जरूर फैल गई है और जैसा की एडीजी कृष्णन ने कह दिया है कि 'अगर अपराधी पुलिसकर्मियों को कट्टा-पिस्टल दिखाते हैं, तो पुलिस को सीधे गोली चलाने की अनुमति दी गई है। सेल्फ डिफेंस में गोली मारने की हमेशा छूट रहती है। अगर ये लगता है कि सामने वाला मुझे मार देगा तो बेशक गोली मारने की छूट है।- प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने कहा कि अपराधी अगर पुलिस को कट्टा दिखायेंगे और गोली चलाएंगे तो पुलिस भी गोली से जवाब देगी। बिहार पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस आम जनता की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी और अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। बिहार एडीजी (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राज्य में कुख्यात अपराधियों का जिलावार डोजियर तैयार हो रहा है। एसटीएफ ने अब तक 3 हजार नक्सली या नक्सली गतिविधियों में शामिल लोगों के अलावा सभी जिलों के 4 हजार अपराधियों का डाटाबेस तैयार किया गया है। इसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। बिहार में अब अपराधियों को गिरफ्तार कर सजा दिलाने के साथ ही उनकी अवैध तरीके से कमाई गई संपत्ति को भी जब्त किया जाएगा। सभी जिलों को ऐसे अपराधियों की पहचान कर सूची भेजने के लिए

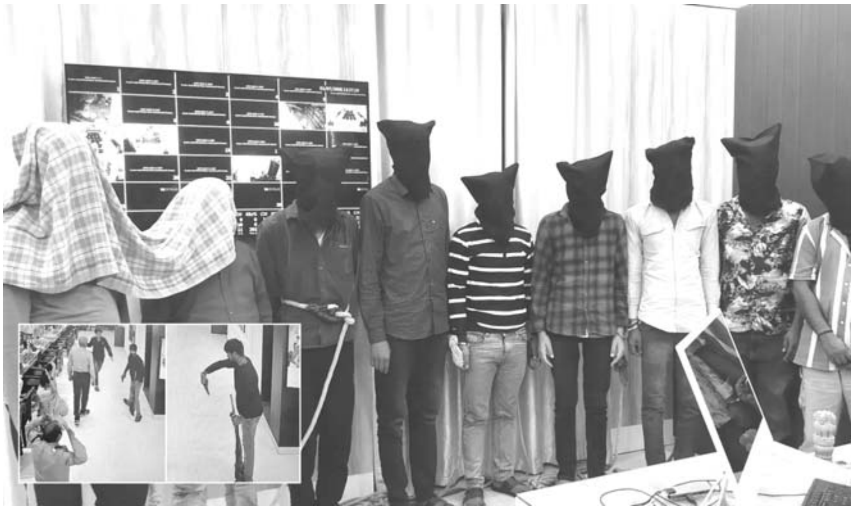

कहा गया है। एडीजी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में पेशेवर अपराधियों की संपत्ति जब्त करने का प्रावधान है। ऐसे अपराधियों की संपत्ति पुलिस के रडार पर है, इन पर जल्द कार्रवाई होगी। एडीजी ने बिहार पुलिस की जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन पूरी सख्ती से करने की बात दोहराते हुए कहा कि हाल में पटना के पास दानापुर में जीवा ज्वेलरी दुकान और आरा के तनिष्क शोरूम में हुई लूट की घटनाओं में मास्टरमाइंड पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जेल में बंद दो कुख्यात पाए गए हैं। इसमें प्रिंस उर्फ चंदन और शेरू शामिल है। इन्हें पूछताछ करने के लिए जल्द ही रिमांड पर लेकर बिहार पुलिस आएगी। पुरुलिया जेल में बंद इन दोनों अपराधियों के सेल की तलाशी में कुछ संदिग्ध इलेक्ट्रिक उपकरण भी मिले हैं। इनकी जांच में लूट से जुड़े कई साक्ष्य मिले हैं। ऐसी कुछ अन्य घटनाओं में भी जेल में बंद कुछ पुराने कुख्यात अपराधियों की संलिप्तता सामने आई है। ऐसे अपराधियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। वही एडीजी कुंदन कृष्णन ने कहा कि राज्य में एक हाई सिक्योरिटी जेल बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसका प्रस्ताव जल्द ही गृह विभाग को सौंपा जाएगा। यह जेल राज्य के एक वीरान स्थान पर होगा, जहां मोबाइल नेटवर्क की पहुंच नहीं होगी और न ही कोई अन्य सुविधा होगी। आने वाले मुलाकातियों की पूरी सर्विलांस कैमरे से की जाएगी। वही इस साल अब तक विभिन्न जिलों के टॉप-10/20 लिस्ट में शामिल 227 मोस्ट वांटेड अपराधियों को धर दबोचा गया, जिसमें 29 इनामी अपराधी शामिल हैं। बिहार सरकार द्वारा तैयार किया गया डिजिटल अपराध डाटाबेस भी पुलिस की कार्रवाई में मददगार साबित हो रहा है। प्रत्येक एसओजी और संबंधित सेल में तकनीकी शाखा और डेटा विश्लेषण इकाइयां कार्यरत हैं, जो टॉप 10 और टॉप 20 अपराधियों की सूची तैयार कर उन पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। पुलिस अब उन अपराधियों पर भी नजर रख रही है, जो जेल में बंद रहते हुए या राज्य से बाहर रहकर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि टॉप-10 और टॉप-20 अपराधियों की सूची नियमित रूप से अपडेट की जा रही है। जेल में बंद रहते हुए या राज्य से बाहर रहकर अपराध करने वाले अपराधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। ऐसे अपराधियों को प्रश्रय देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार अब हथियारों की अवैध तस्करी और गोली के क्रय-विक्रय पर विधिसम्मत नियंत्रण लाने के लिए नई नीति लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्पष्ट संदेश है कि सुशासन के रास्ते में कोई बाधा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस को फ्री हैंड दिया गया है और अपराध पर काबू पाने के लिए हर आवश्यक संसाधन मुहैया कराया जा रहा है।

गौरतलब है कि बिहार में बढ़ते अपराध के कारणों पर प्रकाश डालते हुए बिहार के पुलिस महानिदेशक द्वारा दो टूक में कहा गया कि 'जब बूढ़े अश्लील डांस देखेंगे तो बच्चे दुष्कर्मी बनेंगे'। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने कहा कि अश्लीलता किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है। इसके विरोध में सबको मिलकर आगे आना होगा। खासकर महिलाओं को गलत बातों का प्रतिकार करना चाहिए। तिलक जैसे कार्यक्रम में अश्लील गाने पर नाच हो रहा है, ऐसा इसलिए होता है कि उस क्षेत्र के लोग सुनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अगर घर से बाहर निकलकर ऐसे गाने बजाने पर रोक लगाने की बात करें, तो सब बंद हो जाएंगे। जब घर के बूढ़े नाच देखेंगे तो उनके बच्चे दुष्कर्मी बनेंगे ही। महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं सम्मान विषय पर आयोजित 'उड़ान' कार्यक्रम के दौरान डीजीपी विनय कुमार ने ये बाते कही। डीजीपी ने बच्चों की अच्छी परवरिश और उनमें अच्छे संस्कार दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि आज बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया है, यह अभिभावकों का काम है कि इनपर नजर रखें। हाल के दिनों में मेरे पास कई महिलाओं के ऐसे कॉल आए हैं कि मुझे डांस या किसी कार्यक्रम के लिए बुलाया गया है, पर यहां असहज हूं, इसलिए मुझे यहां से निकाला जाए। डीजीपी ने कहा कि पुलिस के साथ मारपीट व हमले जैसी घटनाएं बढ़ी हैं पर इसका मतलब यह नहीं कि पुलिस काम करने से डर जाए। हमें ऐसी घटनाओं को कम करने की

दिशा में कदम बढ़ाना होगा। डीजीपी ने कहा कि राज्य में महिला शिक्षा से लेकर सशक्तीकरण तक कई काम हुए। बिहार पुलिस में 27 हजार महिला पुलिसकर्मी काम कर रही हैं। सभी जिलों में महिला थाना है। अधिसंख्य थानों में महिला हेल्पडेस्क काम कर रही है। पंचायती राज में 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण है, जो बिहार के लिए वाकई बड़ी बात है। डायल 112 व अन्य हेल्पलाइन नंबर पर भी बेहतर रिस्पांस मिल रहा है। पिछले साल करीब 550 करोड़ रुपये सिर्फ महिला थाना को संबल बनाने पर खर्च किए गए हैं। वही पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-संवेदीकरण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने राज्य के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों की जांच में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलों के अनुसूचित जाति-जनजाति थानों के साथ ही सामान्य थानों में इस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों का अनुसंधान 60 दिनों में पूर्ण किया जाए। इस प्रशिक्षण-सह-संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन सीआईडी (कमजोर वर्ग) और बिहार सरकार के अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर बिहार पुलिस के अपराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) के पुलिस महानिदेशक अमित कुमार जैन समेत राज्य के विभिन्न जिलों में तैनात अनुसूचित जाति-जनजाति थानों के थानाध्यक्षों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बिहार के डीजीपी ने ये भी निर्देश दिया है कि अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की जांच में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों को लटकाए रखने वाले जांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में दोषियों को सजा दिलाने की गति में तेजी लायी जाए। बिहार में हर साल अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत औसतन 6 से 7 हजार केस दर्ज किए जाते हैं, लेकिन इन मामलों के अभियुक्तों को सजा दिलाने की रफ्तार कम है। पिछले साल यानी वर्ष 2023-24 में दर्ज मामलों में सजा दिलाने का औसत 10 प्रतिशत से भी कम रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहां सभी 40 पुलिस जिलों में अनुसूचित जाति-जनजाति थाने कार्यरत हैं। जबकि देश के विभिन्न राज्यों के महज 140 जिलों में ही अनुसूचित जाति-जनजाति थाने कार्यरत हैं। बिहार के सभी एससी/एसटी थानों में एससी/एसटी वर्ग से आने वाले अधिकारियों की ही तैनाती की गई है। उन्होंने इन थानों के थानाध्यक्षों और एसडीपीओ को निर्देश दिया कि वे अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में सजा दिलाने की रफ्तार में तेजी लाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार के सभी जिलों में अनुसूचित जाति-जनजाति थानों के कार्यरत रहने के कारण यहां अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण कानून के तहत दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या भी देश के अन्य राज्यों से अधिक है। डीजीपी ने यह भी स्वीकार किया कि बिहार में अनुसूचित जाति-जनजाति थानों की संख्या अधिक होने के कारण यहां दर्ज होने वाले मामलों की संख्या भी देश के अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है। यहां अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत कई फर्जी मामले भी दर्ज कराए जाते हैं। उन्होंने मुकदमों की जांच से जुड़े अधिकारियों को ऐसे फर्जी मामलों की जांच कर उनका तत्काल निपटारा करने का भी निर्देश दिया ताकि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को फर्जी मुकदमों में फंसाने की साजिशों का पर्दाफाश किया जा सके।

सनद् रहे कि बढ़ते अपराध को लेकर तेजस्वी यादव द्वारा लगातार आंकड़े पेश किये जाने और बिधान सभा में हंगामे के बाद सख्ते में आयी सरकार ने कानून व्यवस्था पर कड़े फैसले लिये जाने को लेकर बिहार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देश देते हुए कि यदि आपराधिक घटनाओं के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो उसकी भी जांच की जाये और जांच के बाद दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। बिहार सरकार लगातार कानून व्यवस्था पर अपनी चौकसी बनाए हुए है।

'जब बूढ़े अश्लील डांस देखेंगे तो बच्चे दुष्कर्मी बनेंगे'।

विनय कुमार
पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), बिहार

इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि किसी भी सूरत में प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगड़नी नहीं चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार काम कर रही है। प्रदेश के हरेक जिले में चौकसी बरती जा रही है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। उन्होंने कहा कि अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाये। अपराध के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषी की पहचान करें और बिना किसी भेदभाव के उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अपराध अनुसंधान के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि दोषियों पर जल्द कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम करें। इस दौरान पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार काम कर रही है। बता दें कि, बिहार में होली के दौरान कई लोगों की हत्याएं हुई हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार में पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। पुलिस वालों की भी हत्या की जा रही है। कानून व्यवस्था को लेकर विधानसभा में राजद और विपक्षी सदस्यों ने जमकर हंगामा भी किया था। कानून व्यवस्था नीतीश कुमार का यूएसपी रहा है और इसीलिए विपक्ष के हमले के बाद नीतीश कुमार ने हाई लेवल बैठक की और सख्त निर्देश दिया है कि हर हाल में अपराध पर नियंत्रण हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

बहरहाल, बीते कुछ माह की इन घटनाओं के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि बिहार में अपराध दर लगातार बढ़ रही है और सरकार इसे रोकने में नाकाम साबित हो रही है। तेजस्वी ने इसके लिए गृह मंत्रालय एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला दिया है। लेकिन, अगर हम गृह मंत्रालय के उन्हीं आंकड़ों की पड़ताल करें, जिसका विपक्ष ने हवाला दिया है तो पाएंगे कि बिहार की अपराध दर में हाल के वर्षों में दरअसल गिरावट देखी गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार 2020 में प्रति एक लाख आबादी पर 211.3 संज्ञेय अपराध दर्ज हुए। लेकिन, उसी साल यह घटकर 159.7 पर आ गया था। 2021 में यह आंकड़ा गिरकर 150.4 पर आ गया। 2019 में बिहार में यह अपराध दर 224 थी, जो उसके बाद से लगातार कम ही हो रही है। अपराध दर में राष्ट्रीय दृष्टिकोण से बिहार का स्थान अगर हम अन्य राज्यों से तुलना करें तो बिहार की स्थिति और स्पष्ट हो सकती है। 2020 में राष्ट्रीय स्तर पर औसत अपराध दर प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 314 थी, जबकि बिहार में यह केवल 160 थी। 2020 में बिहार अपराध दर के मामले में 22वें स्थान पर था, यानी उससे 21 राज्य अधिक अपराध प्रभावित थे। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल और राजस्थान जैसे राज्यों में बिहार से अधिक अपराध दर दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2016 से 2019 के बीच बिहार में अपराध दर जरूर बढ़ी थी, लेकिन 2019 के बाद इसमें निरंतर गिरावट देखी गई है। हालांकि, हालिया आपराधिक घटनाओं से राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर एक चिंता जरूर पैदा हुई है। आज देश के ज्यादातर राज्यों से अपेक्षाकृत बिहार सुरक्षित है। तथ्य यह दर्शाते हैं कि बिहार में अपराध दर में हाल के वर्षों में गिरावट आई है। लेकिन कुछ गंभीर घटनाओं के कारण यह मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। चुनावी वर्ष में इसे एक बड़ा मुद्दा बनाए जाने की संभावना है, लेकिन वास्तविकता यह है कि सरकारी आंकड़े बिहार को देश के अन्य प्रमुख राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत सुरक्षित बताते हैं। निश्चित रूप से राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत तो है, लेकिन यह कहना कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए हैं, सरकारी आंकड़ों के हिसाब से पूरी तरह सत्य नहीं है।●

बिहार में लालू परिवार से हटकर राहुल तैयार कर रहे हैं कांग्रेस की सियासी जमीन

● अमित कुमार

बिहार विधान सभा चुनाव की घड़ी करीब आती जा रही है। चंद महीनों बाद यहां नई सरकार का गठन होना है। सरकार बनाने के लिये एनडीए और इंडिया गठबंधन के साथ-साथ मैदान में जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर और ओवैसी भी अपना भविष्य तलाश रहे हैं। बिहार में अगला सीएम कौन होगा, इसको लेकर एनडीए ने तो साफ कर दिया है कि उनकी तरफ से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं, लेकिन इंडिया गठबंधन या महागठबंधन में शामिल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल यानी आरजेडी के बीच भावी सीएम को लेकर कोई नाम नहीं तय हो पाया है, जबकि आरजेडी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बता रहे हैं। यह सब तब देखने को आ रहा है जबकि कांग्रेस और राजद के बीच रिश्ता दशकों पुराना है। मगर अब लगता है कि दोनों ही दल इसे आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। इसी के चलते मौजूदा दौर में यह गठबंधन एक बेहद नाजुक मोड़ पर खड़ा नजर आ रहा है। लालू यादव और सोनिया गांधी की दोस्ती ने वर्षों तक दोनों दलों के संबंधों को मजबूती दी, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि जबसे राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान अपने हाथों में ली हैं, तबसे यह रिश्ता लगातार खिंचाव का शिकार होता जा रहा है। यह खिंचाव केवल राजनीतिक फैसलों में नहीं, बल्कि वैचारिक टकराव और नेतृत्व के बीच भरोसे की कमी में भी दिखाई देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी बिहार में तेजस्वी के समानांतर कांग्रेस के एक नेता को उभारना चाह रहे हैं।

राहुल गांधी का कन्हैया कुमार को बिहार में आगे करना और समय-समय पर उनका साथ देना, आरजेडी को साफ तौर पर चुभता है। लालू यादव को यह डर सताता है कि कांग्रेस कहीं उनके यादव वोट बैंक में सेंध न लगा ले और यही डर तेजस्वी यादव के व्यवहार में भी झलकता है। तेजस्वी खुद को बिहार की राजनीति में एकमात्र विकल्प के रूप में स्थापित करने में लगे हैं और ऐसे में कन्हैया कुमार जैसे नेताओं का उभार उन्हें असहज कर देता है। यह असहजता सिर्फ जातिगत समीकरणों की वजह से नहीं है, बल्कि कांग्रेस की बदली हुई रणनीति का संकेत भी देती है, जिसमें वह अब खुद को हर वर्ग में स्वीकार्य बनाना चाहती है, चाहे वह सवर्ण हों, दलित हों या यादव। लेकिन समस्या यह है कि लालू यादव कांग्रेस को सवर्णों की राजनीति करने से नहीं रोकते, लेकिन जैसे ही कांग्रेस बिहार के यादव या दलित वोट बैंक में हाथ डालती है, उन्हें परेशानी होने लगती है। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार ये दोनों चेहरे लालू यादव के लिए खतरे की घंटी बन गए हैं। खासकर तब, जब ये दोनों नेता सामाजिक न्याय की वही भाषा बोलते हैं जिसे लालू यादव ने

दशकों पहले गढ़ा था। पप्पू यादव का क्षेत्रीय प्रभाव और कन्हैया कुमार की वैचारिक पकड़, दोनों ही आरजेडी को अस्थिर कर सकते हैं और राहुल गांधी का इन दोनों को प्रमोट करना, आरजेडी को यह समझाने का संकेत है कि कांग्रेस अब सिर्फ सहायक दल बनकर नहीं रहना चाहती, लेकिन यह टकराव सिर्फ वैचारिक या जातिगत नहीं है, बल्कि नेतृत्व के सवाल पर भी है। कांग्रेस बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से कतरा रही है, जबकि आरजेडी स्पष्ट रूप से यह ऐलान कर चुकी है। तेजस्वी की अगुवाई में महागठबंधन की बैठकें हो रही हैं, कोआर्डिनेशन कमेटी बनी है और सब कुछ ऐसा लग रहा है जैसे चुनावी रणनीति उनके नेतृत्व में ही तैयार हो रही हो। लेकिन कांग्रेस का यह मानना कि तेजस्वी का नाम सामने लाकर चुनाव लड़ने से दलित, सवर्ण और गैर-यादव पिछड़ा वर्ग उनके साथ नहीं आएगा, यह दिखाता है कि दोनों दलों की सोच में गहरा फासला है। यह वही कांग्रेस है जिसने कभी लालू यादव के भ्रष्टाचार मामलों में फंसे होने के बावजूद खुलकर उनका समर्थन किया था, लेकिन अब वह अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाना चाहती है। राहुल गांधी की रणनीति यह है कि जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का चेहरा नहीं घोषित कर इंडिया गठबंधन ने लड़ा, वैसे ही बिहार में भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर सस्पेंस बना रहे ताकि सभी जातियों और वर्गों के वोट एक साथ जोड़े जा सकें। लेकिन लालू और तेजस्वी के लिए यह रणनीति उनकी स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता पर सीधा सवाल है।

गौरतलब है लालू यादव हमेशा से अपने मुस्लिम-यादव समीकरण पर भरोसा करते

रहे हैं और इसी समीकरण को बचाए रखने के लिए वे कांग्रेस को इस दायरे में आने से रोकना चाहते हैं। 2019 में जब कांग्रेस का मुस्लिम चेहरा किशनगंज से जीत गया और 2020 में कांग्रेस के चार मुस्लिम विधायक विधानसभा में पहुंचे, तो यह आरजेडी के लिए एक तरह की चेतावनी थी। आरजेडी चाहती है कि मुस्लिम वोट पूरे तौर पर उनके पास रहें, लेकिन कांग्रेस के सक्रिय होने से इस समीकरण में दरार आने लगी है। बात यहीं तक सीमित नहीं है राजेश कुमार को बिहार कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर भी लालू यादव नाराज हैं। वे चाहते थे कि अध्यक्ष वही बने जो उनके करीब हो, लेकिन राहुल गांधी ने राजेश को चुना जो दलित

समाज से आते हैं और कांग्रेस को इस वर्ग में पैठ दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। लालू यादव की आपत्ति इस बात पर है कि कांग्रेस अगर दलित और यादव, दोनों वोट बैंक में सेंध लगाने लगी तो आरजेडी की प्रासंगिकता क्या रह जाएगी? राहुल गांधी का जातिगत जनगणना पर आक्रामक रुख भी लालू यादव को अखरता है। लालू खुद कास्ट सेंसस के सबसे बड़े समर्थक रहे हैं और जब राहुल गांधी ने बिहार सरकार द्वारा कराई गई जातीय गणना को फर्जी बता दिया था, तब यह एक सीधी चुनौती की तरह लगा। यह बयान, उस वक्त आया जब आरजेडी इसे अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बता रही थी और महागठबंधन इसे प्रचारित कर रहा था। यह और बात है कि राजद इस पर खुलकर नहीं बोल रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि तेजस्वी यादव चाहे जितना भी दावा करें कि महागठबंधन में कोई विवाद नहीं है, लेकिन सच यही है कि महागठबंधन एक बेहद असहज समझौते पर चल रहा है। कांग्रेस का अंदरखाने यह मानना है कि तेजस्वी की स्वीकार्यता सीमित है, और अगर वे चेहरा बनते हैं, तो कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। इसलिए कांग्रेस चाहती है कि चुनाव में चेहरा न हो,ताकि जरूरत के हिसाब से निर्णय लिया जा सके। यह रणनीति जहां एक ओर कांग्रेस के लिए सुरक्षित है, वहीं आरजेडी को असुरक्षित बनाती है।●

तीन साल में यूपी से खत्म हो जाएगी गरीबी : योगी

● अजय कुमार (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)

गरीबी हटाओ का नारा भारतीय राजनीति का सबसे पुराना और सबसे आजमाया हुआ वाक्य है।

यह नारा सुनते-सुनते कई पीढ़ियां जवान हो चुकी हैं, लेकिन गरीबी का अंत अब तक नहीं हुआ। इंदिरा गांधी ने इस नारे को 1971 में दिया था और इसी नारे पर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी थीं। उसके बाद से लेकर आज तक हर सरकार ने इस नारे को अपनी सुविधा और राजनीतिक जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया है। नरेंद्र मोदी ने भी गरीबी को जातीय राजनीति के जवाब के रूप में पेश किया और अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी यह संकल्प लिया है कि वे उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाएंगे। यह दावा उन्होंने महाराजगंज में किया, जहां उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में यूपी से गरीबी खत्म कर दी जाएगी और प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा। यह बात उन्होंने तब कही जब एक सप्ताह पहले ही उनका बयान आया था कि वे राजनीति में लंबी पारी खेलने नहीं आए हैं। लेकिन उनके इस नए संकल्प से साफ है कि वे अभी कहीं जाने वाले नहीं हैं।

योगी आदित्यनाथ ने जो संकल्प लिया है, वह सिर्फ एक चुनावी वादा नहीं बल्कि व्यक्तिगत संकल्प बताया जा रहा है। उन्होंने खुद कहा है कि राजनीति में भी समयसीमा होनी चाहिए और इस लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने तीन साल की डेडलाइन तय की है। हालांकि तकनीकी रूप से उनके मौजूदा कार्यकाल के सिर्फ दो साल ही बचे हैं, इसलिए यह मानना मुश्किल नहीं कि उनका इरादा 2027 के बाद भी सत्ता में बने रहने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह योगी आदित्यनाथ भी 'गरीब' को एक अलग वर्ग के रूप में पेश कर रहे हैं। जब बिहार में जातिगत जनगणना के बाद मोदी ने ओबीसी, एससी, एसटी और 'गरीब' का नाम लिया था, तो उसी 'गरीब' वर्ग को अब योगी राजनीति का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए गरीबी हटाओ का अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण है। लेकिन योगी सरकार ने इसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2024 को गांधी जयंती पर की, जब उन्होंने 'जीरो पॉवर्टी स्टेट' बनाने का ऐलान किया। सरकार के मुताबिक प्रदेश के हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवारों को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की 17 योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 रूपये तक पहुंचाया जाए ताकि वे गरीबी रेखा से ऊपर आ सकें। इसके लिए सरकार खाद्यान्न, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की योजनाओं को समन्वयित रूप से उन तक पहुंचाएगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2013-14 में बहुआयामी गरीबी का स्तर 42.59 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 17.40 प्रतिशत पर आ गया है। इसका अर्थ है कि बीते नौ वर्षों में करीब 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार की योजनाएं कुछ हद तक असरदार रही हैं। लेकिन यूपी जैसे विशाल और विविध राज्य में गरीबी पूरी तरह मिटाना अब भी एक बड़ा लक्ष्य है। योगी आदित्यनाथ के मुताबिक, उनकी सरकार ने पिछले छह वर्षों में 55 लाख से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं

के तहत घर दिए हैं। इसके अलावा तीन करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है और लगभग सभी गांवों को बिजली और पानी की सुविधा से जोड़ा गया है। सरकार का दावा है कि वह रोजगार को प्राथमिकता पर रख रही है। 'मिशन रोजगार' अभियान के तहत सरकार अगले तीन-चार वर्षों में दो करोड़ युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 7.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें। इस योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों के युवाओं को सीधा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। वहीं, मनरेगा जैसी योजनाएं भी ग्रामीण रोजगार सृजन में मदद कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार दावा कर रही है कि वह अब गरीबी के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है। यह संकल्प सिर्फ सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे मिशन मोड में लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार 2025 तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में गरीबी निवारण की प्रगति का ऑडिट किया जाएगा और 2026 तक अधिकांश चयनित परिवार गरीबी से ऊपर उठ चुके होंगे। हालांकि योगी आदित्यनाथ का ये संकल्प विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसे सिर्फ चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि सरकार ने पहले भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़े वादे किए, लेकिन उनके परिणाम जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। विपक्ष का तर्क है कि अगर सरकार वास्तव में गंभीर होती तो अब तक प्रदेश की सामाजिक सूचकांक में और सुधार दिखता। उदाहरण के तौर पर, एनएफएचएस-5 के मुताबिक प्रदेश में अभी भी कुपोषण, एनीमिया और शिशु मृत्यु दर जैसे आंकड़े चिंता का विषय हैं। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का दावा है कि वह प्रदेश को गरीबी मुक्त बना देंगे, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश की आबादी, संसाधनों की कमी, और प्रशासनिक भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां इस अभियान को कठिन बनाती हैं। साथ ही प्रदेश के पिछड़े जिलों, जैसे बलिया, श्रावस्ती, सोनभद्र और चंदौली में अभी भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में अगर सरकार वास्तव में गरीबी खत्म करना चाहती है, तो उसे सिर्फ योजनाएं बनाने से आगे जाकर जमीनी कार्यवाही करनी होगी।

फिलहाल, यूपी सरकार ने जिन योजनाओं की घोषणा की है, वे यदि ईमानदारी से लागू की जाती हैं तो परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन इन योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि स्थानीय प्रशासन कितना सजग और जवाबदेह रहता है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं पहले भी कई सरकारी प्रयासों को विफल कर चुकी हैं। योगी आदित्यनाथ के संकल्प को राजनीति से जोड़कर देखने के भी कारण हैं। जैसा कि उन्होंने खुद कहा था कि राजनीति में समयसीमा होनी चाहिए, लेकिन अगर वे इस संकल्प को 2027 तक भी पूरा करना चाहते हैं तो जाहिर है कि उनका इरादा अगला चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने का है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर वे यूपी मॉडल को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं, लेकिन विकास के मानकों पर यूपी को गुजरात जैसा बनाना आसान नहीं है।

बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि 'गरीबी हटाओ' का नारा एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार इसे सिर्फ नारे तक सीमित रखने से न तो जनता का भला होगा, न ही योगी आदित्यनाथ की राजनीति को स्थायित्व मिलेगा। अगर वे अपने इस वादे को सच साबित करते हैं तो उत्तर प्रदेश की तस्वीर वाकई बदल सकती है और यूपी मॉडल एक नई मिसाल बन सकता है। लेकिन अगर यह भी एक और राजनीतिक हथियार बनकर रह गया, तो जनता का भरोसा और भी डगमगाएगा। इसीलिए यह समय वादों से आगे बढ़कर उन्हें निभाने का है। यह योगी आदित्यनाथ के लिए सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि उनके पूरे राजनीतिक जीवन की विश्वसनीयता की परीक्षा है।●

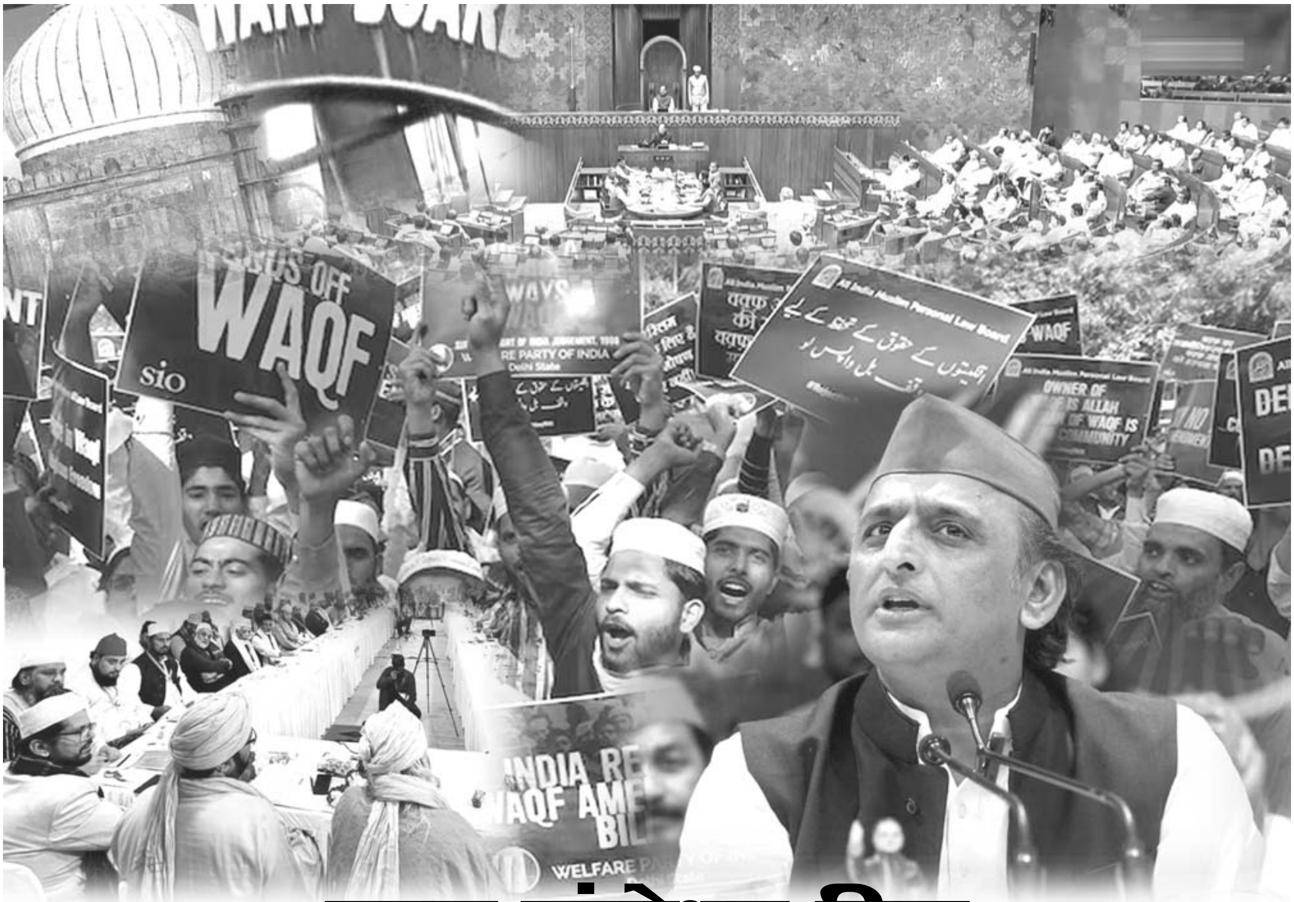

वक्फ संशोधन बिल

अखिलेश के रूख से पार्टी की हिन्दू लॉबी एवं पिछड़े मुसलमानों में नाराजगी

● **संजय सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)**

मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को कानून बनाकर एक नया इतिहास लिख दिया है। इन संशोधनों को 'उम्मीद' का नाम दिया गया है, लेकिन इंडिया गठबंधन में शामिल तमाम राजनैतिक दलों के साथ-साथ समाजवादी पार्टी ने भी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिये मोदी सरकार द्वारा लाये गये वक्फ संशोधन का खुलकर विरोध किया, लेकिन मुस्लिम राजनीति को करीब से जानने वाले कुछ लोगों को लग रहा है कि इससे सपा को फायदे की जगह नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। क्योंकि मुस्लिमों में कई पिछड़ी बिरादरियां इस बिल का समर्थन भी कर रही हैं। इसमें ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल, जमीयत हिमायत उल इस्लाम और पसमांदा मुस्लिम महाज जैसे मुस्लिम संगठन शामिल हैं, जिन्होंने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है. इन संस्थाओं ने वक्फ

बोर्डों पर इतने सालों से काबिज रहे लोगों से तीखे सवाल पूछे हैं. इन संगठनों का दावा है कि वक्फ्फ बिल पास होने से सिर्फ वो मुसलमान परेशान हैं जो खुद वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर कब्जा किए बेठे हैं. पसमांदा (पिछड़े) मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन वक्फ बिल के पक्ष में है. सितंबर 2024 में जेपीसी की बैठक में इसने बिल को 85 प्रतिशत मुस्लिमों के लिए फायदेमंद बताया था। इस संगठन का कहना है कि यह बिल वक्फ बोर्ड में सुधार लाकर हाशिए पर पड़े मुस्लिमों को लाभ पहुंचाएगा,लेकिन यह बात समाजवादी पार्टी जैसे दलों के नेताओं को समझ में नही आ रही है।

यही वजह है लोकसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिल के विरोध में अपने मुस्लिम सांसदों की 'फौज' उतार दी। आजमगढ़ के सांसद धमेन्द्र यादव, संभल के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, कैराना की सासंद इकरा हसन चौधरी, गाजीपुर के सांसद अफजाल

अंसारी, रामपुर के सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने बिल के विरोध में मोदी सरकार को खूब खरी खोटी सुनाई, तो राज्यसभा में प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने बिल के विरोध में मोर्चा संभाला। इनमें से एक मुस्लिम सांसद ने तो चर्चा के दौरान धमकी भरी आवाज में यहां तक कह दिया कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेंगे। सपा की सांसद इकरा चौधरी ने बहस के दौरान झूठा आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में ईद पर मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने दी गई। समाजवादी पार्टी ने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जिन सांसदों को बोलने का मौका दिया था, उसमें या तो यादव कुनबे से जुड़े सांसद थे या फिर मुस्लिम सांसद। सपा की तरफ से सात सांसदों ने अपनी बात विस्तार से रखी जिसमें चार मुसलमान सांसद थे और तीन मुलायम कुनबे के सांसद। समाजवादी पार्टी ने अपने 37 सांसदों में से जिन सांसदों को बहस के लिये चुना उसमें एक भी यादव कुनबे से इत्तर या फिर गैर मुस्लिम सांसद नहीं था। इसको लेकर अब समाजवादी पार्टी को शक की नजर से देखा जा रहा है। सपा के हिन्दू सांसदों के बारे में खबरें आ रही हैं कि उन्हें अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है। पार्टी के बेइंतहा मुस्लिम प्रेम के चलते हिन्दू बाहुल्य लोकसभा सीटों से चुनाव जीतने वाले हिन्दू सांसद अपने संसदीय क्षेत्र में मुंह दिखाने लायक नहीं रह गये हैं। इस बात का अहसास तब और मजबूत हो गया जब वक्फ बिल पर समाजवादी पार्टी के मुस्लिम परस्त रवैये के बीच अयोध्या लोकसभा चुनाव सीट से जीतने वाले सपा सांसद अवधेश प्रसाद अचानक रामलला के दर्शन करने पहुंच गए, जबकि अभी तक अखिलेश अपने इस सांसद को पार्टी का मुखौटा बनाये घूम रहे थे। अवधेश चुनाव जीतने के 11 महीने बाद रामलला के दर्शन करने पहुंचे थे। यह तब हुआ जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 'इशारे' पर अभी तक अवधेश प्रसाद रामलला के मंदिर जाने से बचते रहे थे, लेकिन अब उन्हें भी लगने लगा है कि यदि उनकी भी छवि मुस्लिम परस्त बन गई तो हिन्दू बाहुल्य रामलला की नगरी में आगे सियासत करना उनके लिए आसान नहीं होगी। यही स्थिति समाजवादी पार्टी के अन्य उन सांसदों की भी है जो 2024 के आम चुनाव में हिन्दू बाहुल्य क्षेत्र से चुनाव जीत कर आये थे। इसी के चलते इन सांसदों का वक्फ बिल के समर्थन में कोई बयान भी नहीं आया है।

बात इससे आगे की कि जाये तो समाजवादी पार्टी ने खासकर उन सांसदों को बिल का विरोध करने का मौका दिया जिनकी छवि पहले से ही काफी विवादित है और इन सांसदों की पहचान हिंदुओं और उनके देवी देवताओं को अपमानित करने वाली रही हैं। एक-एक कर इन सांसदों की बात की जाये तो संभल के सांसद जिया-उर-रहमान के दिवंगत सांसद पिता अक्सर हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला करते थे। उन्हीं की तर्ज पर जिया उर रहमान बर्क चल रहे हैं। नवंबर 2024 में संभल की शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी, जिसमें चार लोगों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इस घटना के बाद, पुलिस ने सपा सांसद जिया उर रहमान के खिलाफ उपद्रव की साजिश रचने का मुकदमा दर्ज किया था। बर्क पर बिजली चोरी और संभल हिंसा के दौरान एक वर्ग विशेष के लोगों को भड़काने का भी आरोप है। इसी तरह से कैराना की सपा सांसद इकरा हसन चौधरी भले ही सांसद हों, लेकिन उनकी स्वयं की पृष्ठभूमि कोई राजनैतिक नहीं है। समाजवादी पार्टी कैराना की सांसद इकरा हसन के भाई, नाहिद हसन, का विवादों से गहरा नाता रहा है। वह समाजवादी पार्टी के विधायक हैं और उनके खिलाफ लगभग डेढ़ दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोप भी शामिल हैं. नाहिद की दबंगई के कारण कई हिन्दू परिवार कैराना से पलायन को मजबूर हो

समाजवादी पार्टी द्वारा वक्फ संशोधन बिल का विरोध

इकरा हसन चौधरी

गये थे। जनवरी 2022 में, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले, नाहिद हसन को शामली में गिरफ्तार किया गया था। जिस कारण वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाये, इसके बाद समाजवादी पार्टी ने उनकी बहन इकरा हसन को कैराना सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल करा दिया। आज इकरा भाई की सोच को ही आगे बढ़ा रही हैं।

समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी भी वक्फ बिल के दौरान मोदी सरकार पर खूब बरसे थे, अफजाल अंसारी माफिया मुख्तार अंसारी के बड़े भाई हैं। गाजीपुर के आसपास मुख्तार की तूती बोलती थी, कहा यह जाता था कि मुख्तार के पास मसल पावर थी तो इसके पीछे दिमाग अफजाल अंसारी का रहता था। समाजवादी पार्टी के गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी ने 12 फरवरी 2025 को शादियाबाद में संत रविदास जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में महाकुंभ स्नान पर विवादित टिप्पणी की। इससे पहले भी उन्होंने साधु-संतों और धार्मिक प्रथाओं पर टिप्पणियां की थी, जिनसे विवाद उत्पन्न हुआ था। मुख्तार अंसारी की मौत के समय अफजाल अंसारी को गाजीपुर की जिलाधिकारी से भी अभद्रता करते देखा गया था।

समाजवादी पार्टी के रामपुर से सांसद मोहिबुल्ला नदवी भी वक्फ बिल के खिलाफ

सपा सांसद अवधेश प्रसाद अचानक रामलला के दर्शन करने पहुंच गए

खूब दहाड़े थे, नदवी को अखिलेश ने अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की इच्छा के खिलाफ लोकसभा का टिकट दिया था। नदवी ने चुनाव प्रचार के दौरान एक बयान में जेल में बंद आजम का बिना नाम लिये कहा था कि जेल सुधार गृह होती है। जिससे पार्टी के भीतर तनाव बढ़ा। आजम खान की पत्नी तजीन फातिमा और मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा ने नदवी के इस बयान की आलोचना की। इन घटनाओं से समाजवादी पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेद और रामपुर की राजनीति में तनाव स्पष्ट होता है। नदवी का पारिवारिक जीवन भी विवादों से भरा है। नदवी का अपनी एक बीवी से तलाक का मुकदमा चल रहा है, उसे वह कोर्ट के आदेश के बाद भी गुजारा भत्ता नहीं दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने वक्फ बिल पर चर्चा के लिये जिन सांसदों को आगे किया, उसके चलते ही सपा पर आरोप लग रहा है कि अब उसके आइडियल मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम, दारा शिकोह, कृष्ण भक्त रसखान, वीर अब्दुल हमीद (परमवीर चक्र विजेता), बिस्मिल्लाह खां (शहनाई वादक), डॉ. अब्दुल कलीम अजीज (इतिहासकार), अब्दुल कय्यूम अंसारी (स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता), शाह मुबारक अली (शिक्षाविद और समाज सुधारक), जोहरा सहगल (अभिनेत्री और नृत्यांगना), कैप्टन अब्बास अली (स्वतंत्रता सेनानी) जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के अधिकारी थे। आजादी के बाद समाजवादी पार्टी में सक्रिय रहे। पर इन हस्तियों के नाम पर समाजवादी पार्टी में कोई चर्चा नहीं होती है। बल्कि बाबर, औरंगजेब, बाहुबली अतीक अंसारी, मुख्तार अंसारी, यासीन मलिक, दाऊद, याकूब मैनन, अफजल गुरू जैसे विवादित लोग सपा में सिरमौर है। समाजवादी पार्टी की जब सरकार बनती है तो आतंकवादियों को जेल से छोड़ने की साजिश रची जाती है।●

ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल, जमीयत हिमायत उल इस्लाम और पसमांदा मुस्लिम महाज ने वक्फ संशोधन बिल का किया समर्थन

विवाद के समय बीजेपी क्यों छोड़ देती है अपने नेताओं का साथ

● **संजय सक्सेना (वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ)**

भारतीय जनता पार्टी भारत की सबसे बड़ी और सबसे संगठित राजनीतिक पार्टियों में से एक है। अनुशासन, संगठनात्मक ढांचा और विचारधारा की स्पष्टता इसके प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति देखी गई है कि जब पार्टी के किसी नेता पर विवाद खड़ा होता है, तो पार्टी उनसे सार्वजनिक रूप से दूरी बना लेती है या उन्हें पद से हटाने में देर नहीं करती। यह परिपाटी कई बार यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर विवाद के समय बीजेपी अपने ही नेताओं का साथ क्यों छोड़ देती है, बीजेपी आलाकमान का मुसीबत के समय अपने नेताओं का साथ छोड़ने का सिलसिला काफी पुरानी है। साध्वी प्रज्ञा हो या विवादित बयान देने वाली नुपुर शर्मा और अब केन्द्रीय मंत्री निशिकांत दुबे, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा या अन्य कोई बीजेपी किसी भी नेता से किनारा करने में देरी नहीं करती है, अन्य दलों का शीर्ष नेतृत्व मुसीबत के समय अपने नेता के साथ कंधे से कंधा मिलाये खड़ा रहता है। समाजवादी पार्टी के विवादित नेता और सांसद रामजी लाल सुमन इसकी ताजा मिसाल है। सुमन ने वीर पुरुष और महानायक राजा राणा सांगा को गद्दार कहा था। ऐसा क्यों होता है, इसकी तह में जाया जाये तो पता चलता है कि बीजेपी अपने ब्रांड को विकास और राष्ट्रवाद के प्रतीक के

रामजी लाल सुमन

रूप में प्रस्तुत करती रही है। पार्टी नेतृत्व यह अच्छी तरह समझता है कि किसी भी नेता से जुड़ा विवाद संपूर्ण पार्टी की छवि पर असर डाल सकता है। ऐसे में वह डैमेज कंट्रोल की नीति अपनाती है। उदाहरण के तौर पर, जब बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे, तो पार्टी ने सीधे तौर पर उनका समर्थन नहीं किया, भले ही वह एक लंबे समय से पार्टी के प्रभावशाली चेहरा रहे हों। इसी तरह, जब पूर्व मंत्री एम.जे. अकबर पर मी टू अभियान के दौरान कई महिलाओं ने आरोप लगाए, तो पार्टी ने चुपचाप उन्हें पद से हटने दिया, बिना उनका खुला समर्थन किए। बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि रहे। इसलिए जब कोई नेता विवाद में आता है, तो पार्टी पहले यह देखती है कि उनका बचाव करने से संगठन को कितना नुकसान हो सकता है। अगर पार्टी नेतृत्व को लगता है कि उस नेता का समर्थन करना पार्टी की छवि पर बुरा असर डालेगा, तो वह उससे दूरी बना लेती है। यहाँ संघ परिवार की सोच भी प्रभावी होती है, जहाँ व्यक्तिवाद की

साध्वी प्रज्ञा

निशिकांत दुबे

नुपुर शर्मा

दिनेश शर्मा

बृजभूषण शरण सिंह

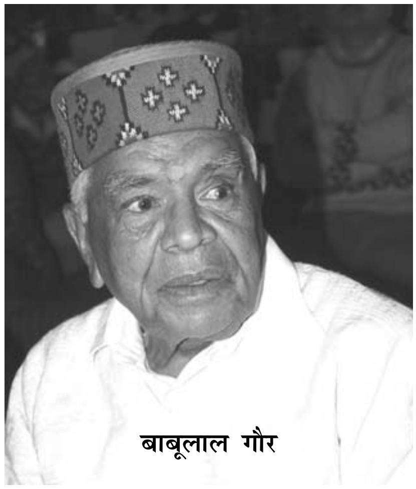

बाबूलाल गौर

उमा भारती

बजाय सामूहिक निर्णय को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में कोई भी नेता पार्टी से ऊपर नहीं हो सकता।

दरअसल, बीजेपी चुनावी राजनीति में बेहद रणनीतिक है। अगर किसी नेता के विवाद से जनता में आक्रोश है या विपक्ष को मुद्दा मिल सकता है, तो पार्टी उस नेता को बलि का बकरा बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन सुरक्षित करती है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर हों या उमा भारती, समय-समय पर जब उनके बयानों या कार्यों से पार्टी की रणनीति को चुनौती मिलती दिखी, तो पार्टी ने उन्हें दरकिनार कर दिया। इससे साफ है कि पार्टी का फोकस वोटर सेंटिमेंट और इलेक्शन मैनेजमेंट पर है, न कि व्यक्तिगत निष्ठा पर। ऐसा इस लिये भी होता है क्योंकि आज का दौर इंस्टेंट जजमेंट का है। जैसे ही किसी नेता पर आरोप लगते हैं, सोशल मीडिया पर ट्रेंड शुरू हो जाता है। बीजेपी यह समझती है कि अगर वह बचाव में उतरती है, तो यह आक्रोश और तेज हो सकता है। इसलिए वह साइलेंस मोड या डिस्टेंसिंग की रणनीति अपनाती है। यह नीति कभी-कभी नेताओं को अकेला महसूस करवा सकती है, लेकिन पार्टी को लगता है कि यह सार्वजनिक नाराजगी को ठंडा करने का सबसे तेज तरीका है। अभी बीजेपी नेताओं निशिकांत दुबे, डॉ० दिनेश शर्मा आदि कुछ नेताओं के न्यायपालिका पर दिये गये विवादित बयान के बाद बीजेपी ने इन नेताओं से जिस तरह दूरी बनाई वह बीजेपी के कुछ समर्थकों को खराब भी लग रहा है। जबकि राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि अक्सर खुद को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में पेश करती है। ऐसे में अगर किसी नेता पर कानूनी आरोप लगते हैं, तो पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी को कानून से ऊपर नहीं मानती। भले ही अंदरूनी स्तर पर नेता का समर्थन किया जा रहा हो, सार्वजनिक मंच पर पार्टी न्यायिक प्रक्रिया के पक्ष में खड़ी

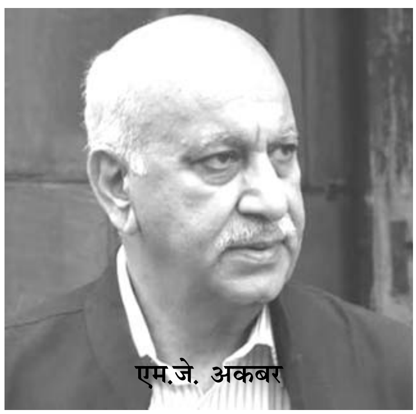

एम.जे. अकबर

दिखना चाहती है। लेकिन सवाल ये भी उठता है कि क्या ये नीति सही है? यह रणनीति अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन इससे पार्टी के अंदर यह भावना पनपती है कि पार्टी मुश्किल समय में अपने ही नेताओं का साथ नहीं देती। इससे पार्टी के अंदर विश्वास की कमी पैदा हो सकती है। कई पुराने नेताओं ने यह नाराजगी भी जताई है कि पार्टी यूज एंड थ्रो की नीति अपनाती है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नीति राजनीतिक शुचिता के नाम पर राजनीतिक अवसरवाद को बढ़ावा देती है। जब तक नेता उपयोगी होता है, उसे सिर पर बैठाया जाता है और जैसे ही वह पार्टी के लिए बोझ बनता है, उसे किनारे कर दिया जाता है।

कुल मिलाकर बीजेपी का विवाद के समय नेताओं से दूरी बनाना एक सुविचारित रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद पार्टी की छवि और राजनीतिक पूंजी को सुरक्षित रखना है। हालांकि यह नीति दीर्घकालिक रूप से संगठनात्मक विश्वसनीयता और निष्ठा की भावना को चोट पहुँचा सकती है। यह चुनौती बीजेपी के लिए उतनी ही गंभीर है जितनी किसी विवाद में घिरे नेता के लिए। पार्टी को यह संतुलन साधना होगा कि संगठन की प्रतिष्ठा बचाते हुए, अपने कर्मठ नेताओं का आत्मसम्मान भी सुरक्षित रखा जाये। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

आईजीआईएमएस को डॉक्टर मनीष मंडल ने बनाया झूठ, फरेब और लूट का अड्डा

बिहार मंत्रीपरिषद के आदेश को भी नहीं मानते हैं डॉक्टर मनीष मंडल

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

बिहार के सबसे बड़े सुपर स्पेशलिटी हाॅस्पटल आईजीआईएमएस को अधीक्षक डॉक्टर मनीष मंडल ने झूठ, फरेब और लूट का अड्डा बना दिया है। आईजीआईएमएस में गरीब मरीजों के साथ हर स्तर पर लूट मची हुई है। ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट, दवा और आईसीयू बेड में बड़े स्तर पर लूट हो रही है। अभी हाल में ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर डॉ० मनीष मंडल ने अपने आप को अंतरराष्ट्रीय डॉक्टर साबित करने की कोशिश की। हुआ यूँ की इंटरनेशनल कॉलेज आफ सर्जेस यूनाइटेड स्टेट सेक्सन के द्वारा उन्हें मैनेजिंग गोल ब्लैडर कार्सिनोमा विषय पर संस्थान में स्पीकर के रूप में भाग लेने (पार्टिसिपेशन) के लिए प्रमाण पत्र दिया गया। डॉक्टर मनीष मंडल का प्रभाव की एक बानगी देखिए। डॉक्टर मनीष मंडल दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय से सामान्य सर्जरी में मास्टर की डिग्री हासिल की है, लेकिन बिहार के सबसे बड़े सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में की। GI सर्जरी के विभाग के विभागाध्यक्ष बने हुए हैं, जबकि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विभागाध्यक्ष बनने के लिए न्यूनतम अहर्ता MCH होनी चाहिए। डॉक्टर मनीष मंडल को जो अभी अमेरिका से स्पीकर के रूप में पार्टिसिपेशन करने के लिए प्रमाण पत्र मिला है, इस संस्था में सदस्य बनने और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए शुल्क निर्धारित है। यह संस्था अमेरिका का गैर सरकारी संस्थान है। डॉक्टर मनीष मंडल के प्रमाण पत्र पर मनीष मंडल MD लिखा हुआ है, जबकि उन्होंने MS किया है।

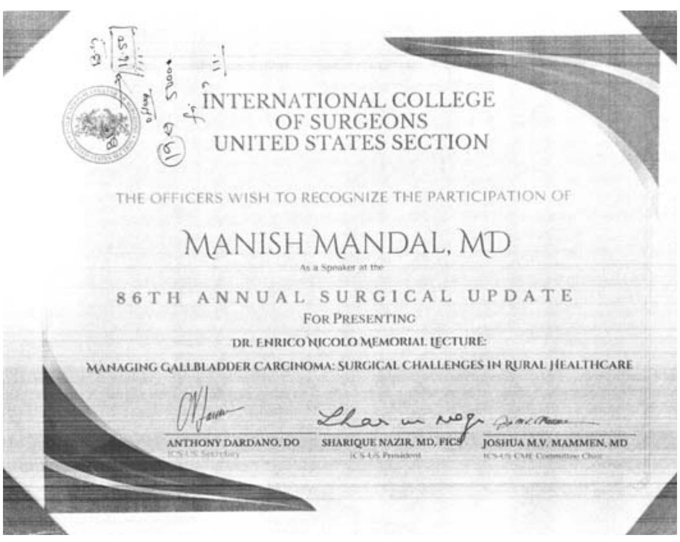
INTERNATIONAL COLLEGE
OF SURGEONS
UNITED STATES SECTION

THE OFFICERS WISH TO RECOGNIZE THE PARTICIPATION OF

MANISH MANDAL, MD

As a Speaker at the

86TH ANNUAL SURGICAL UPDATE

FOR PRESENTING

DR. ENRICO NICOLO MEMORIAL LECTURE:

MANAGING GALLBLADDER CARCINOMA: SURGICAL CHALLENGES IN RURAL HEALTHCARE

ANTHONY DARDANO, DO — ICS-US Secretary
SHARIQUE NAZIR, MD, FICS — ICS-US President
JOSHUA M.V. MAMMEN, MD — ICS-US CME Committee Chair

बिहार सरकार
स्वास्थ्य विभाग

मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति हेतु संलेख

विषयः– इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में मरीजों को दवा एवं सभी प्रकार के चिकित्सकीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराने की स्वीकृति तथा बिहार चिकित्सा सेवाएँ एवं आधारभूत संरचना निगम लि0, पटना के माध्यम से दवा एवं चिकित्सकीय सामग्रियों की आपूर्ति करने और उपरोक्त व्यवस्था संस्थान में पूर्व से लागू पंजीकरण शुल्क एवं प्राईवेट वार्ड/डिलक्स वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए शय्या शुल्क एवं अन्य शुल्कों को छोड़कर लागू करने की स्वीकृति के संबंध में।

इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना एक स्वायत्तशासी संस्थान है। संस्थान की स्थापना राज्य में अतिविशिष्ट विषयों में उच्च स्तर की चिकित्सा सेवाओं और चिकित्सा शास्त्र विषयों के क्षेत्र में सेवा अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के निमित्त बिहार अधिनियम संख्या 10, 1984 द्वारा की गई थी। अपने स्थापना वर्ष से संस्थान द्वारा चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सा सेवा प्रदान करने में उत्तरोत्तर प्रगति हुई है।

2– उल्लेखनीय है कि वर्तमान में संस्थान में मरीजों से चिकित्सा जाँच एवं दवा मद में शुल्क लिया जाता है, जिससे आमजन को अपनी चिकित्सा कराने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक है कि राज्य सरकार के अन्य चिकित्सा संस्थान यथा– सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, इंदिरा गाँधी हृदय रोग संस्थान एवं लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल एवं अन्य अस्पतालों में मरीजों को मिल रहे दवा एवं निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के अनुरूप इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में भी मरीजों को निःशुल्क दवा एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाए।

3– वर्तमान में राज्य के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों तथा अन्य सरकारी चिकित्सा संस्थान में दवा एवं चिकित्सकीय सामग्रियों की आपूर्ति विभागीय संकल्प सं0–545 (12), दिनांक–11.06.2019 द्वारा बिहार चिकित्सा सेवाएँ एवं आधारभूत संरचना निगम लि0, पटना के माध्यम से किये जाने का प्रावधान लागू है, जिसे इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में भी लागू करने की स्वीकृति दिये जाने की आवश्यकता है।

-2-

4– इसे लागू किये जाने से संस्थान को पूर्व में दिये जाने वाले अनुदान के अतिरिक्त 60 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय अनुमानित है, जो संस्थान में मरीजों की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर परिवर्तनशील होगा।

5– इस मद में व्यय का वहन माँग संख्या–20, मुख्य शीर्ष–2210–चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य–05–चिकित्सा शिक्षा–प्रशिक्षण तथा अनुसंधान–105–एलोपैथी–0017–इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना, स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय, विपत्र कोड–20–2210051050017 के अंतर्गत विषय शीर्ष 31–सहायता अनुदान में 0017–31–06 सहायक अनुदान–गैर वेतन ईकाई में उपबंधित राशि से किया जायेगा।

6– उपरोक्त वर्णित स्थिति में प्रस्ताव है कि इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में मरीजों को दवा एवं सभी प्रकार के चिकित्सकीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराने की स्वीकृति तथा बिहार चिकित्सा सेवाएँ एवं आधारभूत संरचना निगम लि0 पटना के माध्यम से दवा एवं चिकित्सकीय सामग्रियों की आपूर्ति करने की स्वीकृति प्रदान की जाए। उपरोक्त व्यवस्था संस्थान में पूर्व से लागू पंजीकरण शुल्क एवं प्राईवेट/डिलक्स वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए शय्या शुल्क एवं अन्य शुल्कों पर लागू नहीं होगी।

7– प्रस्ताव एवं संलेख पर वित्त विभाग की सहमति प्राप्त है।

8– प्रस्ताव एवं संलेख पर माननीय उप मुख्य (स्वास्थ्य) मंत्री, बिहार का अनुमोदन प्राप्त है।

9– संलेख की कंडिका–6 में निहित प्रस्ताव में मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति प्रार्थित है।

अपर मुख्य सचिव

ज्ञापांक–1/आई0–07/2023 (पार्ट–I) – 684(1)/स्वा0,पटना, दिनांक– 25/9/2023

प्रतिलिपिः–संलेख की 50 (पचास) अतिरिक्त प्रतियों के साथ मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार, पटना को मंत्रिपरिषद् की आगामी बैठक में विचारार्थ रखे जाने हेतु प्रेषित।

अपर मुख्य सचिव

43–(08)–41–2023

पटना में दिनांक–25 सितम्बर, 2023 सोमवार को अपराह्न 3:30 बजे हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक की कार्यवाही। मुख्यमंत्री ने बैठक की अध्यक्षता की।

निम्नलिखित निर्णय लिये गये :–

	संसदीय कार्य विभाग		
1.	सप्तदश बिहार विधान सभा के नवम–सत्र तथा बिहार विधान परिषद् के 204वें सत्र (मानसून सत्र) के सत्रावसान संलेख पर मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति के संबंध में।	1.	स्वीकृत।
	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग		
2.	पटना जिलान्तर्गत पटना सदर अंचल के मौजा– मुहर्रमपुर, थाना नं0–137, वार्ड सं0–01, सीट सं0– 22/21 म्यूनिसिपल खेसरा सं0–1029, रकबा–0.00542 एकड़ भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को बंदोबस्त सरकारी भूमि पर गाँधी मैदान मेट्रो रेल स्टेशन के निर्माण हेतु सलामी एवं पूँजीकृत मूल्य सहित कुल राशि मो0–48,78,000/– (अड़तालीस लाख अठहत्तर हजार) रूपये मात्र के भुगतान पर पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार को हस्तान्तरण की स्वीकृति के संबंध में।	2.	स्वीकृत।
	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग		
3.	मो0 शाहिद खाँ, तत्कालीन कानूनगो, बन्दोबस्त कार्यालय, नालन्दा सम्प्रति निलम्बित को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली– 2005 के नियम–14(XI) के तहत सरकारी सेवा से बर्खास्तगी, जो सामान्यतया सरकार के अधीन भविष्य में नियोजन के लिए निरर्हता होगी, का दण्ड अधिरोपित करने की स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में।	3.	स्वीकृत।
	राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग		
4.	श्री अश्विनी कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी, कतरीसराय, नालन्दा सम्प्रति निलंबित को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली–2005 के नियम–14 (XI) के तहत सरकारी सेवा से बर्खास्तगी, जो सामान्यतया सरकार के अधीन भविष्य में नियोजन के लिए निरर्हता होगी, का दण्ड अधिरोपित करने की स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में।	4.	स्वीकृत।
	उद्योग विभाग		
5.	राज्य के अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने/इनके बीच स्व–रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना की स्वीकृति के संबंध में।	5.	स्वीकृत।

(3)

स्वास्थ्य विभाग

11.	इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में मरीजों को दवा एवं सभी प्रकार के चिकित्सकीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराने की स्वीकृति तथा बिहार चिकित्सा सेवाएँ एवं आधारभूत संरचना निगम लि0, पटना के माध्यम से दवा एवं चिकित्सकीय सामग्रियों की आपूर्ति करने और उपरोक्त व्यवस्था संस्थान में पूर्व से लागू पंजीकरण शुल्क एवं प्राईवेट वार्ड/डिलक्स वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए शयया शुल्क एवं अन्य शुल्कों को छोड़कर लागू करने की स्वीकृति के संबंध में।	11.	स्वीकृत।

इस बारे में डॉक्टर मनीष मंडल से पूछने के बाद उन्होंने कहा कि अमेरिका में MD का मतलब मेडिकल डॉक्टर होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉक्टर मनीष मंडल के पुत्र अमेरिका में रहते हैं। सरकारी कर्मचारियों को विदेश जाने के लिए अनुमति बड़ी मुश्किल से मिलता है, इसलिए उन्होंने जुगाड़ करके इस सेमिनार में भाग लेने के नाम पर राज्य सरकार से अनुमति प्राप्त कर ली थी।

दिनांक 25 सितंबर 2023 को राज्य के मंत्री परिषद् ने निर्णय लिया कि इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में मरीजों को दवा एवं सभी प्रकार के चिकित्सीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराने की स्वीकृति तथा बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड पटना के माध्यम से दवा एवं चिकित्सा सामग्रियों की आपूर्ति करने की स्वीकृति दिया गया। अर्थात् राज्य क्रय संगठन बीएमएसआईसीएल से दवा

लेकर आईजीआईएमएस के सभी प्रकार के रोगियों अर्थात् ओपीडी और आईपीडी के मरीजों को मुफ्त दवा मुहैया कराई जाए, लेकिन आईजीआईएमएस के अधीक्षक डॉक्टर मनीष मंडल के आईजीआईएमएस परिसर में दवा दुकानों और कई दवा कंपनियों से सांठ-गांठ के कारण यह अभी तक संभव नहीं हो सका है। केवल सच ने जब आईजीआईएमएस में मुफ्त दवा कार्यक्रम का मुआयना किया तो देखा की मात्र कुछ दवाइयां ही आईपीडी के मरीजों के लिए मुफ्त में उपलब्ध थी, जबकि 500 के लगभग दवाइयां और 100 के लगभग सर्जिकल सामान बीएमएसआईसीएल के पास उपलब्ध है। इस संबंध में हमने जब माननीय मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ जी से पूछा तो उन्होंने कहा कि हम इस बात को गंभीरता

डॉ० मनीष मंडल

डॉ० प्रितपाल सिंह

डॉ० आनंद शंकर

पूर्वक देखते हैं और आपको बताते हैं। लेकिन आलेख लिखे जाने तक उन्होंने इस संबंध में कुछ नहीं बताया। केवल सच ने जब अधीक्षक मनीष मंडल से इस संबंध में पूछा तो उन्होंने कहा कि हम इसके इंचार्ज नहीं है। इसके इंचार्ज डॉक्टर प्रितपाल सिंह हैं, जबकि किसी भी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कमांडिंग अधिकारी अधीक्षक होते हैं। हमने डॉक्टर प्रितपाल सिंह को फोन किया तो उन्होंने कहा कि हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर स्टाफ की कमी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम 5000 प्रकार की दवा का इस्तेमाल करते हैं। बीएमएसआईसीएल हमें दवा आपूर्ति नहीं कर सकता। डॉक्टर साहब हमसे बात कर रहे थे ऐसे, जैसे कोई मूर्ख को समझा रहा हो। आईजीआईएमएस कैंपस में जितनी भी दवा दुकाने हैं, किसी में भी 5000 प्रकार की दवा उपलब्ध नहीं है, यह मेरा दावा है। जब केवल सच की टीम मुफ्त दवा योजना का मुआयना कर रहा था तो टीम ने देखा कि मुफ्त दवा योजना के काउंटर पर एके-दुके ही लोग थे, जबकि आईजीआईएमएस परिसर के

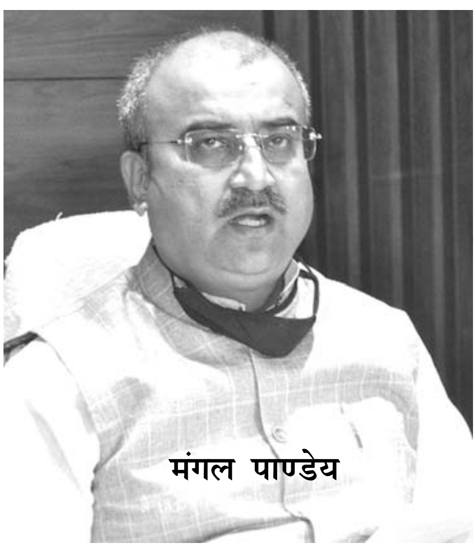
मंगल पाण्डेय

अंदर निजी दवा दुकानों पर लंबी-लंबी लाइने लगी हुई थी। मतलब डॉक्टर साहब लोग को लंबा-लंबा कमीशन पहुंच रहा है। डॉक्टर प्रितपाल सिंह जी विभाग के डॉक्टर हैं, वहां भी कम लूटपाट मरीजों के साथ नहीं हो रही है। जो दवाइयां आईजीआईएमएस में रेट कॉन्ट्रैक्ट है-डॉक्टर रेड्डी और आरपीजी लाइफ साइंस और वह कम दर पर उपलब्ध है। वही दवा कमीशन के लालच में जाइडस (ZYDUS) का कई गुना अधिक दर पर मरीजों से खरीदवाई जा रही है। राज्य की मंत्री परिषद् ने 28 सितंबर 2023 को आईजीआईएमएस में रोगियों को मुफ्त दवा वितरण का निर्णय लिया, तब आईजीआईएमएस प्रशासन में लगभग दो साल से इसका कार्यान्यवन क्यों नहीं किया। डॉक्टर प्रितपाल सिंह बोलते हैं कि हम 5000 प्रकार की दवाइयों का इस्तेमाल करते हैं, यह सिर्फ ड्रामेबाजी है और कुछ भी नहीं। अगर आप कोई दवाई EDL में जुड़वाना चाहते हैं तो आपने EDL कमेटी को इसका आवेदन क्यों नहीं दिया। डॉक्टर प्रितपाल सिंह और उनकी पूरी टीम 5000 प्रकार की दवाइयों का नाम तक नहीं जानते होंगे।

आईजीआईएमएस में तैनात एक नर्स ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि डॉक्टर मनीष मंडल को गंभीर सर्जरी भी नहीं करने आता है। गंभीर मरीजों की सर्जरी डॉक्टर साकेत कुमार, डॉक्टर संजय कुमार और डॉक्टर अमरजीत कुमार करते हैं और नाम होता है डॉक्टर मनीष मंडल का।

आईजीआईएमएस के आर्थोपेडिक विभाग में तैनात डॉक्टर आनंद शंकर का अलग ही जलजला है। आईजीआईएमएस में जो ऑर्थोपेडिक इंप्लांट लगता है, वह ज्यादातर मर्कुलर्स ऑर्थोपेडिक, गुजरात की कंपनी का लगता है। सूत्र बताते हैं कि यह कंपनी डॉक्टर आनंद शंकर द्वारा संचालित किया जा रहा है। आनंद शंकर का एक निजी क्लीनिक भी कंकड़बाग में संचालित है। डॉक्टर आनंद शंकर से बात करने पर उन्होंने इस आरोप से इनकार किया है, लेकिन यह तो जांच का विषय है कि मर्कुलर्स ऑर्थोपेडिक का ही इंप्लांट ज्यादातर क्यों आईजीएमएस के आर्थोपेडिक विभाग में इस्तेमाल किया जाता है। डॉक्टर आनंद शंकर का एक बड़ा स्कूल भी नालंदा में है, पर पूछने पर डॉक्टर साहब कहते हैं कि ''यह मेरे पिताजी का है, मेरा नहीं''। विदित हो कि डॉक्टर आनंद शंकर के पिताजी भी पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में डॉक्टर थे और इतना बड़ा अस्पताल बिना काला धन इस्तेमाल किये संचालित नहीं हो सकता। इन सब पर डॉक्टर मनीष मंडल की अध्यक्षता वाली एथिक्स कमिटी क्या करती है, भविष्य के गर्त में है। ऐसे सूत्र बताते हैं कि डॉक्टर आनंद शंकर रंजीत डॉन ग्रुप के डॉक्टर हैं। सच क्या है यह जांच के बाद ही पता चल सकता है।

डॉ० राजेश कुमार सिंह

आईजीआईएमएस परिसर के अंदर मौजूद राज्य कैंसर संस्थान में तो खुलेआम मरीजों के साथ लूटपाट हो रही है। संस्थान के प्रमुख डॉक्टर राजेश और उनकी पूरी टीम दवा और जांच के नाम पर बेसहारा गरीबों को लूट रही है। लगता है राज्य सरकार का संस्थान पर से नियंत्रण समाप्त हो गया है। Trastuzumab 440mg, Rituximab 500mg, Bevacizumab 100@400 mg...,जैसी दवाइयां जो यहां आईजीआईएमएस के रेट कॉन्ट्रैक्ट में शामिल है और कम दामों पर उपलब्ध है, वही दवाइयां बाहर से 5 से 10 गुना ज्यादा दर पर मरीजों से खरीदवाई जा रही है। केवल सच के अगले अंक में क्राई ऑफ सेंसर पेसेंट पर विस्तारपूर्वक आपको बतलायेंगें। साथ ही और विभागों की लूट का सच बतलायेंगें।

आईजीआईएमएस प्रशासन अगर चाहे तो कल से ही मुफ्त दवाइयां मरीजों को मिलने लगेगी। आईजीआईएमएस में तकनीकी कर्मचारियों को उपलब्ध करवाने के लिए सेवा प्रदाता कंपनी को अपने यहां इम्पैनल किया हुआ है, जिससे फार्मासिस्ट लेकर मुफ्त दवा तुरंत शुरू किया जा सकता है। यही सेवा प्रदाता कंपनी पैथोलॉजी और कई तकनीकी जगह पर स्टाफ मुहैया करा रहा है, फिर भी गरीब मरीजों को मुफ्त दवा नहीं मिल रहा है। इसका दोषी कौन है? आईजीआईएमएस के शासी निकाय के अध्यक्ष माननीय मंत्री भी होते हैं, इसलिए इस दोष से वह भी इनकार नहीं कर सकते हैं। माननीय मंत्री सिर्फ अपने परिजनों को आईजीआईएमएस में अच्छी व्यवस्था हो, इसका ख्याल रखते हैं। उन्हें जनता से कोई मतलब नहीं है। राजनीतिक बयानबाजी कर नेता बनने की चाहत में उन्होंने आईजीआईएमएस का भी बेड़ा गर्क कर दिया है।

आईजीआईएमएस की स्थिति इतनी नारकीय है कि वहां काम करने वाले सिक्योरिटी एजेंसी ट्रिंग डिटेक्टिव एंड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों को कई महीनो से वेतन लंबित है, जिसके चलते कई कर्मचारी नौकरी छोड़ चुके हैं और कई भूखे मरने को मजबूर हैं। इस एजेंसी के ज्यादातर कर्मचारी आईजीआईएमएस के अधिकारियों के यहां नौकर के रूप में नौकरी करते हैं। एक-एक अधिकारी के यहां 10 से 15 ट्रिंग डिटेक्टिव एंड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी नौकर के रूप में कार्य कर रहे हैं। कुछ कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के घर पर भी शोभा बढ़ा रहे हैं।●

टॉपर बनकर अंशु रानी ने बढ़ाया सम्मान

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

म "मंजिले उन्हीं की मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता; हौसले से उड़ान होती है"। "कौन कहता है आसमां में सुराक नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों"।

यह बात बिहार इंटरमीडिएट टॉपर अंशु रानी ने चरितार्थ की। बिहार इंटरमीडिएट (आर्टस) में चौथा स्थान पाकर अंशु रानी ने मसौढ़ी का नाम बिहार के पटल पर रखकर सभी को गौरवान्वित की है। अंशु रानी का जन्म बैरीचक गाँव में हुआ। यह एक साधारण किसान परिवार से आती हैं। इन्होंने शिक्षा को ही अपना ताकत बनाया। इनकी माता का नाम रीना कुमारी है और वह एक कुशल गृहणी हैं। इनके पिता का नाम उपेन्द्र कुमार है और वह एक किसान हैं। इनकी प्रारंभिक शिक्षा संत मेरीस स्कूल, मसौढ़ी से हुआ। स्वामी विवेकानंद ने ठीक ही कहा है-'शिक्षा को अपनी ताकत बनाओ और समाज के लोगों के लिए सकारात्मक कार्य करो, जिससे जन कल्याण हो सके। भारत का समुचित विकास तभी हो सकता है जब भारत की आधी आबादी (महिलाओ) का बौद्धिक विकास हो'। इन्हीं बातों को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर अंशु रानी ने सफलता प्राप्त की। इन्होंने दसवी में 96.5% अंक लाकर संत मेरीस स्कूल, मसौढ़ी में टॉप किया था। इसके बाद इन्होंने एम.यू. से उसमान जकारिया कॉलेज साई से इंटरमीडिएट की पढ़ाई कला संकाय से पूर्ण की। अंशू रानी बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। इन्होंने पूरे बिहार में चौथा स्थान तथा पटना जिला में पहला स्थान प्राप्त कर अपने पूरे परिवार, गुरुजनों का नाम रौशन की है। इनका विषय हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल व राजनीतिक विज्ञान था। इनका सपना एक आई.पी.एस. अफसर बनकर समाज के निचले पायदान पर लोगों के लिए न्याय करना है। यह चाहती हैं पूरे समाज को भ्रष्टाचार और सामाजिक कुरीतियों से बचा सके। इनका शौक वृक्षारोपण करना है, जिससे हमें शुद्ध वायु मिल सके। वृक्षारोपण जल संरक्षण भी करती है।●

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01. प्रकाशन का स्थान	:-	पटना
02. प्रकाशन की आवर्तिता	:-	मासिक
03. मुद्रक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04. प्रकाशक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05. संपादक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06. उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07. कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)

दिनांक:- 5 अप्रैल 2025 प्रकाशक का हस्ताक्षर

आपसी रंजिश और जमीनी विवाद में कर दी गई मुकेश की हत्या

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

मसौढ़ी में 12 अप्रैल 2025 की होटल के समीप हुई हत्या में मामले में आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की। जमीन के कारोबार के विवाद में व्यापारी पुत्र की हत्या हुई थी जिसमें एक आरोपी गिरफ्तार हुआ है। मसौढ़ी थाना के जहानाबाद (एकंगर) रोड़ स्थित एक होटल के पास 12 अप्रैल को दिनदहाड़े स्कॉर्पियो सवार अपराधियों द्वारा पुरानी बाजार निवासी कपड़ा व्यापारी जगदीश प्रसाद के पुत्र मुकेश कुमार उर्फ छोटन की पुरानी आपसी रंजिश व जमीनी कारोबार में उपजे विवाद में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने घटना में शामिल धनरूआ थाना स्थित एक मकान से एक आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया। बता दें कि 22 अप्रैल 2025 को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता मे एसडीपीओ नभ वैभव ने बताया कि मामले के खुलासे और संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) डॉ० के. रामदास के निर्देशन में उनके नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन और तकनीकी व मानवीय अनुसंधान के सहयोग से इस घटना में शामिल एक आरोपी को मसौढ़ी थाना के तारेगना डीह निवासी रवीन्द्र कुमार के पुत्र दीपक कुमार उर्फ भोगी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दीपक ने इस हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दीपक ने पुलिस को बताया कि मुकेश की हत्या पुरानी रंजिश और जमीन की कारोबार में उपजे विवाद के कारण की गई थी। एसडीपीओ मसौदी नभ वैभव ने बताया कि इसी थाना के मलमाचक में वर्ष 2019 में एक जन्मदिन पार्टी के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर दीपक के करीबी दोस्तों से मृतक मुकेश से विवाद हो गया था। आरोप था कि इस दौरान मुकेश ने दीपक के कुछ दोस्तों को गोली मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। इस कारण उनके बीच रंजिश चली आ रही थी। इसके अलावा जमीन की खरीद बिक्री के कारोबार में भी कई बार उनके बीच विवाद हुआ था। एसडीपीओ मसौढ़ी नभ वैभव ने बताया कि गिरफ्तार दीपक और उसके दोस्त विवादित जमीन की खरीद बिक्री में संलिप्त रहे हैं और मुकेश भी बीते कुछ महीने से जमीन की खरीद बिक्री का कारोबार करने लगा था। इन्हीं कारणों से 12 अप्रैल 2025 को मुकेश उर्फ छोटन की हत्या दीपक और उसके साथियों ने गोली मारकर कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड में दीपक समेत कुल आठ आरोपित शामिल हैं और कुख्यात आरोपी सह मसौढ़ी थाना के नौआबाग निवासी बिजेन्द्र प्रसाद उर्फ बलिंद्र प्रसाद के पुत्र राजा यादव व के भगवानगंज थाना के अनौली निवासी उदय यादव के पुत्र नीतीश यादव के इशारे पर ही मुकेश की हत्या की गई थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में कुछ भू-माफियाओं की संलिप्तता भी उजागर हुई है और उन लोगों की भी पहचान कर ली गई है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। गठित टीम में एसडीपीओ के अलावा थानाध्यक्ष मसौढ़ी अनिल कुमार व पुलिस अवर निरीक्षक अरविंद कुमार शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार व्यापारी पुत्र मुकेश उर्फ छोटन की हत्या की साजिश मसौढ़ी उपकारा में ही रची गई थी। विदित हो कि नौआबाग निवासी राजा कुमार और अनौली ग्रामवासी नीतीश यादव कई संगीन मामलों में आरोपी रहे हैं और इन दिनों मसौढ़ी उपकारा में बंद हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस टीम ने पहले राजा और नीतीश से ही पूछताछ की थी और उससे सुराग मिलने के बाद ही दीपक उर्फ भोगी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि मुकेश उर्फ छोटन अक्सर जहानाबाद रोड स्थित उक्त होटल में खाना खाने जाता था। घटना के दिन भी वह 12 अप्रैल 2025 को भी वह उक्त होटल में खाना खाने गया था। मुकेश की हत्या के पूर्व उसकी रेकी की गई थी और जिस समय वह उक्त होटल में खाना खाने गया था, उस वक्त उसी होटल में घटना में शामिल कुछ आरोपी बैठे थे। संभावना जताई जाती है कि उन्हें वहाँ देख मुकेश खतरे को भाँप गया था और होटल से निकल अपनी बाइक के पास पहुँचकर अपने कुछ साथियों को मोबाइल से खबर देने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच अपराधियों ने उसे गोली मारकर हत्या कर दी थी।●

☞ ब्रथ डे पार्टी में डीजे पर हुआ था मृतक मुकेश से विवाद।
☞ मसौढ़ी उपकारा में रची गई थी मुकेश की हत्या की साजिश।

☞ एस.पी. पूर्वी के. रामदास के नेतृत्व में जांच टीम हुई थी गठित।
☞ मसौढ़ी एसडीपीओं नभ वैभव ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किया केश का उद्भेदन।

एक दर्जन अमित शाह भी बिहार के भाजपाई की सूरत नहीं बदल सकते

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

मोदी जी द्वारा जन हित में चलाई जा रही करीब 300 योजनाओं को यदि घर-घर पहुंचा दी जाती तथा भारत के गृह मंत्री अमितशाह के सुझाव को पालन करें तो बिहार के सूरत बदल जाएगी। बड़े-बड़े पद पर बैठे भाजपाई को सत्ता का मलाई चाभने से फुर्सत कहां है कि योजनाओं की ओर ध्यान दें,कुछ फुर्सत निकाल भी लेते हैं तो तीन ही काम करते हैं नारा लगवाना, माला पहनना और फोटो खिंचवाना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा कार्यालय में मंत्री ,सांसद, विधायक विधान परिषद और संगठन के पदाधिकारी के साथ बैठक की। उन्होंने कहा की तैयारी ऐसी करें कल ही चुनाव है। मंत्री विधायक की जगह कार्यकर्ता बनकर चुनाव लड़ना है। हर काम के लिए दिन निर्धारित करें लक्ष्य के अनुरूप काम करने के बाद इसकी समीक्षा करें। कमियों को तत्काल दूर करें । केंद्र के विकास कार्यों के बारे में लोगों की जानकारी दें।

☞ **6 से 14 अप्रैल तक त्यौहार के रूप में होंगे आयोजन :-** बैठक में 6 से 14 अप्रैल तक त्यौहार के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती है इस दौरान राज्य के 70 लाख घरों में भाजपा का झंडा फहराया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल दी। उन्होंने कहा कि 6-7 अप्रैल को हर मतदान केंद्रों पर प्राथमिक सदस्यों को जुटाकर स्थापना दिवस मनाया जाएगा। 8-9 अप्रैल को सभी मंडल और विधानसभा स्तर पर सक्रिय सदस्यों के भाषण होंगे। 7 से 12 अप्रैल तक बिहार में गांव, बस्ती चलो अभियान चलाया जाएगा जिसमें मंडल स्तर के ऊपर के सभी पदाधिकारी कम से कम 8 घंटे अभियान में समय देंगे। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों में झंडा यात्रा करेंगे निकालेंगे। ग्रामीण के साथ चौपाल लगाएगें। स्थापना दिवस के लिए चार लोगों की टीम बनाई जाएगी 14 अप्रैल को हर बूथ पर अंबेडकर जयंती मनाई जाएगी 15 से 25 अप्रैल तक हर वर्ग के लोगों के बीच समस्या का आयोजन होगा। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि सभी मंत्री एवं सांसद, विधायक को आदेश दें कि लाभार्थियों की सूची हरेक कार्यकर्ताओं तक पहुंचा दे। बिहार के मंत्री और विधायक, सांसद अपराध और भ्रष्टाचार के बारे में चर्चा तक ही नहीं करना चाहते।●

मोदी और नीतीश के नेतृत्व में बनेगा अशोक के सपनों का भारत

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बिहार सरकार राज्य के 350 प्रखंडों में एक- एक डिग्री कॉलेज तथा 534 प्रखंडों में कोल्ड स्टोरेज खोलने की व्यवस्था करेगी साथ ही सभी नगर निकायों में सम्राट अशोक भवन बनेंगे। सम्राट अशोक की 2369 जयंती पर भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर में आयोजित जयंती समारोह में डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि सम्राट अशोक ने जो विशाल भारत बनाया था, इस विराट भारत का निर्माण हमारा सपना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व में राज्य सरकार सम्राट अशोक ने जो भारत बनाने के लक्ष्य पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सम्राट की नीति से प्रेरणा लेते हैं और साथ ही कृषि मूलक समुदाय के उत्थान की भी चिंता करते हैं। जिसमें अशोक जैसा सम्राट पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि कृषि आश्रित समाज को ध्यान में रखकर शिक्षा की दृष्टि से राज्य के हर प्रखंड डिग्री कॉलेज और सब्जी उत्पाद के सुरक्षा के लिए कोल्ड स्टोरेज खोलने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अनील कुमार शर्मा,रेखा शर्मा,

पूजा कुमारी, अंकुश कुमार,अनीश कुमार, पूनम पटेल, कृष्णा पटेल, आरती पटेल, नाइसी कुमारी, पूनम पटेल, कुसुम पटेल, आरती पटेल, मील्ली बेटी, निशांत कुमार, शोभा पटेल, ममता पटेल आदि शामिल हुए।●

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर फल्गु में पहुंची गंगा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में एक बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा मीडिया जिला प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बात बहुत पुरानी नहीं है। एक दशक के लगभग व्यतीत हुआ है। जब कभी लोग फल्गु में डुबकी लगाकर स्वयं को शुद्ध करते और इसी के जल से पितरों को जलांजलि देकर तृप्त करते थे। गया जी के पूर्वी तट पर यह रोज का स्नान थे। शनै -शनै वह दिन गुजरता गया और फल्गु की वह धारा रेत के अंदर समाती चली चली गई। कारण जो भी रहा हो लेकिन इस दर्द को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महसूस किया और फिर माता-पिता के कथित शाप से अलग हटकर इसकी मानवीय शाप माना। इस शाप से मुक्ति के लिए तत्कालीन जिलाधिकारी संजय सिंह को यहां की स्थिति

देखने का निर्देश दिया। स्थानीय प्रशासन में अतिक्रमण हटाने और नदी को प्रदूषण मुक्त करने को कार्रवाई शुरू कर दी गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2020 में घोषणा करते हुए कहा कि फल्गु में रबर डैम्प बनाया जाएगा। इसके प्रति स्वयं संवेदनशील थे। नदी की दुर्दशा की कहानी उन तक निरंतर पहुंच रही थी, एक बड़ा कार्य था नदी के अस्तित्व को बचाना। रबर डैम बनने लगा जहां एक बूंद जल के लिए श्रद्धालु तरसते थे वहां अब लगने लगा कि फल्गु वही पुरानी वाली नदी है। मुख्यमंत्री ने गंगाजल लाने की घोषणा भी कर दी और इस पर तुरंत कार्य करने के लिए भी शुरू कर दी गई तथा 2022 में गंगा भी फल्गु पहुंच गई। पटना से मोकामा पाईपलाइन के माध्यम से गंगाजल लाया गया। जिस पर लगभग 2600 करोड रुपए खर्च हुए आज गया शहर के 71000 घरों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस गर्मी में जल संकट नहीं दिखना बहुत बड़ी उपलब्धि है।●

राजनीति की बिगड़ती तस्वीर यदि नहीं बदली तो स्थिति भयावह होगी

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय से राजनीति में युवाओं को राजनीति में लाने की आवश्यकता को रेखांकित कर रहे हैं। पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से अपने संबोधन में उन्होंने एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में आने का आव्हान किया था जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न रहा हो। इसी 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस पर उन्होंने देश का भविष्य संवारने हेतु युवाओं को राजनीति में आने का पुन: आवाह्न किया। इसका कारण है कि स्वतंत्रता के बाद देश की राजनीति संस्कृति में ऐसी गिरावट आई है कि लोग राजनीति को अवांछित तत्वों की शरणस्थली समझने लगे हैं। अच्छे लोगों ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली जिससे अपराधी और अति धनवान लोग राजनीतिक परिदृश्य पर हावी होते गए। इसका पता इससे चलता है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 132 उम्मीदवारों पर अपराधीक मामले दर्ज हैं। लोकसभा की वेबसाइट

के अनुसार वर्तमान में 46 फीसदी सांसद अपराधी मुकदमों में लिप्त है। क्या इसकी कल्पना संविधान बनाने वालों ने की थी? क्या जनता को ऐसे जनप्रतिनिधियों से कोई उम्मीद से कोई आशा की जा सकती है। यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो जनता का विश्वास लोकतंत्र से हट सकता है।

यदि लोगों को राजनीति के प्रति दृष्टिकोण नहीं सुधरे, राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना नहीं हुई अच्छे नागरिकों का राजनीति में प्रवेश नहीं हुआ और नेताओं की नई पौधे में अच्छे लोग नहीं आए तो फिर लोकतांत्रिक राजनीति में भविष्य पर सवाल उठेंगे, आखिर राजनीति के प्रति लोगों का दृष्टिकोण कैसे बदले। राजनीतिक दलों का चरित्र कैसे बदले नेताओं का फसल कैसे बदले, यह ऐसे प्रश्न है जिन पर को देव को गंभीरता से विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गैर राजनीतिक परिवेश वाले युवाओं को जोड़ने का आह्वान महत्वपूर्ण है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल कहा कि नए-नए कार्यकर्ताओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पुस्तक, राममनोहर लोहिया आदि का पुस्तक भी अध्ययन करवाना चाहिए। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि मेरे पास दो पंडित दीनदयाल जैसे संगठन कर्ता होता तो देश का सूरत बदल देते। पंडित दीनदयाल ने कहा था की भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्ता पक्ष के लोगों को आना होगा।●

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर दी गई प्रतिरोधक दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि कैंसर महामारी का रूप लेता जा रहा है। विकासशील देशों में मरीजों की तादाद सबसे ज्यादा है। स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक मौजूदा दुनिया में 20 फीसदी कैंसर के मरीज भारत में है, इस बीमारी से हर साल कम से कम 75 हजार लोगों की मौत हो जाती है और दुनिया भर में 2 करोड लोग इससे प्रभावित है। अमेरिकी वैज्ञानिक व डॉक्टर जामे अब्राहम के मुताबिक भारत में तेजी से कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वजह बदलती जीवन शैली है। शोधकर्ताओं के अनुसार अगले 2 वर्ष में भारत में कैंसर मरीजों की तादाद 59 लाख पार कर जाएगी। कैंसर के प्रमुख कारणों में अनियमित दिनचर्या, खाने पीने वाली वस्तुओं में बहुत ज्यादा कीटनाशकों का इस्तेमाल मांसाहार, अंडे का बढ़ता सेवन, गुटखा, तंबाकू, धूम्रपान और शराब का अधिक सेवन शामिल है। महिलाओं द्वारा अपने बच्चों को स्तनपान न करने की आदत जैसे तमाम कारण भी कैंसर के होते हैं।

इंडियन काउंसिल ऑफ रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 तक 6 लाख

पुरुष और 8 लाख से ज्यादा महिलाओं को कैंसर ग्रस्त होने का अंदेशा है। डॉ लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल ने कहा कि होम्योपैथी में कैंसर प्रतिरोधक (कार्सिनोसिन 1 एम)है। सुरक्षा के लिए यह दवा साल में एक बार लेने कि आवश्यकता है।

विश्व कैंसर दिवस पर आज फतुहा में शिविर लगाकर प्रतिरोधक दवा दी गई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय स्टेशन रोड सुर्जामिल में कैंसर दिवस का आयोजन किया गया। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सभी को कैंसर प्रतिरोधक दवा दिए। दवा लेने वालों में रवि कुमार रंजन, ब्रह्माकुमारी संध्या बहन, ब्रह्माकुमारी अंजू प्रभारी, खुशबू कुमारी, रेणु देवी, पिंकी देवी, बीणा देवी, संध्या कुमारी, निशा देवी ,पार्वती देवी, खुशी कुमारी,दौलती देवी, स्वीटी कुमारी, शिवानी कुमारी, साबुजा देवी, अरविंद कुमार, बाल्मीकि कुमार, सोनू कुमार, आदि। इस तरह वाणी पुस्तकालय फतुहा में भी कैंसर प्रतिरोधक दवा दी गई। दवा लेने वालों में दयानंद सिंह, जुही बेटी, कबीता कुमारी, रश्मि कुमारी, अंजलि कुमारी, नेहा कुमारी, शिल्पी कुमारी, निशा कुमारी, अंजू कुमारी, जानवी कुमारी, पूजा कुमारी, जूही कुमारी, माधुरी देवी, कोमल कुमारी, राखी कुमारी, काजल कुमारी, दयानंद जी, नेहा कुमारी, रागिनी कुमारी, शिवानी कुमारी, मुस्कान कुमारी, आदि। मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर पटना में भी कैंसर प्रतिरोध दवा दी गई, दवा लेने वालों में अनिल कुमार शर्मा, रेखा शर्मा,अंकुश कुमार, अनीश कुमार, सीमा कुमारी, पूजा बेटी आदि।●

डांट भले ही बीबी से खा लेना, कोर्ट कचहरी कभी न जाना

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

छोटी-मोटी घटनाएं पति-पत्नी, भाई -भाई, माता -पिता, पिता -पुत्र , छोटे - छोटे बच्चों के बीच आदि का विवाद थाना से एक दिन में निपटा दी जा सकती है। लेकिन वैसे मामलों में भी न्यायालय भेज दी जाती है। जब पुलिस न्यायालय में भेज देगी। जब तक जेब में पैसा है तब तक न्यायालय का चक्कर तारीख पर तारीख दौड़ते रहे। जब पैसा नहीं है तो केस समाप्त हो जाएगा या पैसा के अभाव में जेल में सड़ते रहेंगे। सरकार लाखों रुपए खर्च कर सरपंच क्यों बनाया? उसे छोटी-छोटी विवाद समाप्त करने की जिम्मेदारी दें सरकार? सरकार थाना को जिम्मेदारी कि छोटा-मोटा विवाद थाना से समाप्त करो?

चुनाव आया कोई पार्टी के नाम पर ,कोई जाति के नाम पर उसे समाज और कर्तव्य से कोई मतलब नहीं है। विधायक और सांसद का जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र में रहकर जन समस्याओं को देखें तथा समधान करें तथा करवाएं। निर्दोष कोई जेल न जाए। इस पर ध्यान

रखने की आवश्यकता है। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सभी लोगों को सुझाव दिया है कि डांट भले ही बीवी से खा लेना, कभी कोर्ट कचहरी में न जाना। कचहरी हमारी तुम्हारी नहीं है। कचहरी गुंडों की खेती है। कचहरी में सच की बड़ी दुर्दशा है। कचहरी शरीफों के लिए नहीं है। सभी को सुझाव देता हूं कि कचहरी का नौबत घर में कभी ना लाना। फतुहा में भी दरोगा और डीएसपी आए हैं जो छोटे-छोटे घटनाओं में कोर्ट कचहरी नहीं जान दिए। कुछ नाम इस प्रकार है नवल सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, उद्भव सिंह, रघुनाथ सिंह, के के साहू, डीएसपी में निलेश कुमार। राजद के वर्ष नेता रामजतन यादव ने बताया कि खुसरूपुर थाना में मनीष कुमार ठाकुर पद स्थापित हुए हैं जबसे एक भी गंभीर घटना नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उनके नाम से ही बड़े-बड़े अपराधी भयभीत है, तथा अपराध में भारी कमी आई है। रामजतन जी ने भी कहा की अपराध में कमी लाने के लिए हर थाने में वैसे ही थाना अध्यक्ष की आवश्यकता है।●

संरक्षण के आभाव में नष्ट हो रही बराह भगवान की मूर्ति

● **मनीष कुमार कमलिया**

वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर उतर वारिसलीगंज-कतरीसराय पथ पर अवस्थित है अपसढ़ गांव। यहां पहुंचने पर हजारों वर्ष पुरानी पुरातात्विक अबशेषो को देख आपको बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के प्रति आक्रोश का भाव उत्पन्न होगा। गांव स्थित गुप्तकालीन पौराणिक गढ़ की तलहटी में अवस्थित एक छोटी सी मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु के बराह अवतार की करीब आठ फिट ऊंची मूर्ति देखने को मिलेगी। जो उचित रख रखाव के आभाव में धीरे धीरे नष्ट होने के कगार पर है। जानकारों की माने तो इस प्रकार की अद्‌भुत बराह की मूर्ति विश्व में और कहीं नहीं है। इतिहासकारो और पुरतत्विदों के अनुसार अपसढ़ गांव उतर गुप्तकालीन राजाओ द्वारा स्थापित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं शैक्षणिक विश्वविद्यालय अपसदण्ड था, जो समयान्तराल अपसढ़ गांव के नाम से जाना जाने लगा है। बताया जाता है कि अपसढ़ में सभी सम्प्रदाय के चोटी के विद्वानों का जमघट लगता था। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध भी पास स्थित पार्वती पहाड़ की गुफा में इंद्र के साथ सशास्त्र किया था। अपसढ़ गढ़ की तलहट्टी में विश्वस्तरीय वराह मूर्ति उचित संरक्षण के अभाव में धीरे-धीरे नष्ट हो रही है। सीलन के वजह से मूर्ति का पिछला पैर क्षय हो रहा है।

☞ **ऐतिहासिक है अपसढ़ का तालाब :-**

अपसढ़ गांव से उतर पहले 360 बीघा, वर्तमान में 260 बीघा क्षेत्र में फैला तालाब है जो सम्भवतः जिले का सबसे बड़ा तालाब है। जिसे शैरोदह कहते हैं। कोण देवी के नाम से प्रसिद्ध अपसढ़ का शैरोदह का अपना ऐतिहासिक महत्व है। मकनपुर ग्रामीण वरिष्ठ पत्रकार सह साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर बताते हैं कि गुप्त वंश का तत्कालीन शासक माधव गुप्त मगध क्षेत्र का उपरिख (गवर्नर) था, जिसकी पत्नी सह आदित्यसेन गुप्त की माता कोण देवी के द्वारा सातवी शताब्दी के इर्दगिर्द अपसढ़ तालाब की खुदाई करवाई गई थी। ग्रामीण सह मुखिया राजकुमार सिंह, पूर्व मुखिया राम सकल सिंह, युवा नेता अखिलेश सिंह, सरपंच रामवरण सिंह, डब्लू कुमार आदि लोगो का कहना है कि तालाब से महज एक किलोमीटर की दूरी पर अबस्थित पार्वत (पार्वती) पहाड़ एवं नूपुर(नेपुरा) गांव। जहां उक्त वंश की रानियों का निवास स्थान हुआ करता था। रानियों के स्नान को ले कोण देवी तालाब की खुदाई होने की बात बताई जाती है।

☞ **पांच वर्ष पहले हुई है सफाई :-** सरकार द्वारा जल संरक्षण के तहत चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन हरियाली उक्त तालाब के लिए प्राण दायक साबित हुआ और पुनः जल भंडारण का स्रोत के रूप में विकसित हो गया है। अच्छी वर्षा होने और तालाब की पूर्ण साफ सफाई के वजह से अब तालाब में पर्याप्त पानी का भंडारण है। जिस कारण क्षेत्र के लोगो का भूमिगत जलस्तर इस बार काफी हद तक ठीक ठाक रही। जरूरत है तालाब को सौन्दर्यीकृत कर वोटिंग, पार्किंग आदि की विस्तृत व्यवस्था करने की ताकि अपसढ़ को विकसित कर पर्यटक स्थल के रूप में प्रदर्शित किया जा सके। अपसढ़ गढ़ के संरक्षण को ले पुरातत्व विभाग द्वारा गढ़ की घेराबंदी, यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, पेयजल, संग्रहालय आदि के लिए राशि स्वीकृत हुई थी। कुछ कार्य भी हुए, जो पिछले छह वर्षों से अधूरा पड़ा है।●

वारिसलीगंजे रेलवे स्टेशन पर वाटर स्टैंड में पानी की कमी से परेशान हो रहे यात्री

● मनीष कुमार कमलिया

धीरे-धीरे गर्मी दस्तक दे रही है, लोगो में पेयजल की आवश्यकता बढ़ गई है। कियूल गया रेलखंड का दोहरीकरण के साथ ही वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है। कुछ हुआ है, जबकि बहुत कुछ बाकी है। इसमें से सर्वाधिक आवश्यकता स्टेशन पर पेयजल की है। परंतु अभी तक रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाएं व्यवस्थित नहीं किया गया है। अब जब गर्मी की तपिश दस्तक देने लगा है। ऐसे में यात्रा करने वाले लोगो के हलक को तर करने के लिए स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्म पर पेयजल की आवश्यकता होगी। परंतु ठीकेदार की लापरवाही स्टेशन के तीन प्लेटफार्म पर पेयजल के लिए चार वाटर स्टैंड बनाया गया है। गुरुवार को केवल सच की पड़ताल में प्लेटफार्म संख्या 01 पर मात्र एक वाटर स्टैंड से पानी निकलता पाया गया। शेष तीन पूरी तरह से बन्द पाया गया। इस स्थिति में जब भी कोई ट्रेन स्टेशन पर ठहरती है तब यात्रियों को पानी लेने के लिए प्लेटफार्म पर दौड़ लगानी पड़ती है ,इस स्थिति में ट्रेन छूट जाती है ,और पानी भी नहीं मिल पाती है। स्टेशन पर पानी की अव्यवस्था भीषण गर्मी में रेल यात्रियों को परेशान करेगा। परंतु रेल प्रशासन को यात्री सुविधाओं की तनिक भी चिंता नहीं है। दो वर्ष से टूटे फूटे रेल प्लेटफार्म पर यात्री किसी प्रकार से परेशानी झेलते काम चला रहे हैं। परंतु अब प्लेटफार्म काफी लंबा हो चुका है, ऐसी स्थिति में कम से कम हर प्लेटफार्म पर तीन या चार वाटर स्टैंड आवश्यक है। वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर तीन प्लेटफार्म सक्रीय है। यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। क्योंकि वारिसलीगंज में निर्माणाधीन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट का निर्माण कार्य गति पर है फलतः फैक्ट्री में नित्य कामगारों की संख्या बढ़ रही है। जिसके आवागमन का मुख्य साधन रेल है। करीब 500 मीटर लम्बा नवीनीकृत रेलवे प्लेटफार्म पर पानी की व्यवस्था मात्र एक जगह किया गया है। जो गर्मी में यात्रियों के लिए नाकाफी होगा। प्लेटफार्म पर शौचालय की व्यवस्था के रूप में स्टेशन निर्माण से जुड़े ठीकेदार के द्वारा प्लेटफार्म संख्या 01 पर बनवाया गया वैकल्पिक शौचालय उपलब्ध है। जिसे किसी निजी व्यक्ति संचालित कर सेवा दे रहा है। ●

क्या कहते हैं रेल यात्री

☞ नवादा के लिए वारिसलीगंज स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री ने बताया कि फिलहाल केजी रेलखंड में ट्रेनों की कमी है। यात्रियों को देर तक इंतजार करना होता है। प्लेटफार्म पर पानी की कमी यात्रियों की परेशानी बढ़ा दे रहा है।

रघुनंदन पासवान, शांबे नगर परिषद्

☞ वारिसलीगंज के निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का टोंटा है। खासकर गर्मी में पानी की नितांत आवश्यकता है। जबकि प्लेटफार्म पर वाटर स्टैंड यात्रियों को मुंह चिढा रहा है। प्लेटफार्म दो एवं तीन पर पेयजल की अनुपलब्धता है।

दिनेश कुमार, रेलयात्री, बरेव नवादा।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

दूरस्थ एवं पहाड़ी गांवों में मंडराने लगा जल संकट

सोलर प्लेट और बैटरी के खराब होने से रौशनी भी नसीब नहीं

● मिथिलेश कुमार

प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण लोग दोपहर में घरों से निकलने से कतराने लगे हैं।वहीं प्रखंड क्षेत्र के हरदिया,सवैयाटांड़ एवं धमनी ग्राम पंचायतों के दूरस्थ एवं जंगली क्षेत्र में बसे गांवों में जलसंकट का खतरा बढ़ गया है। उक्त पंचायतों के दर्जनों गांव में पेयजल की समस्या अभी ही देखी जा रही है। ऐसा नहीं है कि यह परेशानी ग्रामीणों को इस बार देखने को मिल रही है,बल्कि प्रत्येक वर्ष गर्मी के बढ़ते ही यहां के चापाकल पानी देना बंद कर देते हैं।पानी नहीं मिलने से ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों समेत अन्य लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।हरदिया पंचायत के जमुनदाहा गांव में नियमित रूप से बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है।वहीं नल-जल योजना के तहत स्थापित किया गया जल मीनार भी लोगों के प्यास को बुझाने के लिए कारगर नहीं है। हरदिया पंचायत के मुखिया प्रत्याशी रहे दिलीप साव एवं जमुनदाहा गांव निवासी महावीर राजवंशी उर्फ टिको दा, सकिंदर सिंह, कैलाश सिंह, अमृत घटवार, सकलदेव सिंह, पूर्व वार्ड सदस्य सोना देवी, मुनिया देवी, गुड़िया देवी, रिंकी देवी, सुनीता देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में 10 बोरिंग चापाकल है,जिनमें एक-दो चापाकल में ही सिर्फ बूंद के रूप में पानी आ रही है,बाकी चापाकल खराब पड़े हुए हैं। उन्हें अपनी दैनिक जरूरतों को लेकर सुबह और शाम दोनों समय एकमात्र कुआं के समीप तीन से चार घंटे लाइन लगाकर इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2022-23 में नल-जल योजना के थी जल मीनार लगाया गया था,जिसका लेयर नीचे चला गया है एवं धूप रहता है तो थोड़ा बहुत चलता है अन्यथा बंद ही रहता है।दिलीप साव ने बताया कि वर्ष 2018 में सांसद गिरिराज सिंह के सहयोग से जमुनदाहा गांव के प्रत्येक घरों में सोलर पैनल और रिचार्जेबल बैटरी लगाकर लोगों को अंधेरे से दूर करने का प्रयास किया गया था। वहीं सात वर्ष बीत जाने के बाद दर्जनों सोलर पैनल खराब हो गया है एवं बैटरी भी काम करना बंद कर दिया है। इतने दिनों में एक भी सरकारी नुमाइंदा सोलर पैनल की सुध लेने तक नहीं आया है और ग्रामीण पुनः अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। साथ ही बताया कि हमलोग गरीब मजदूर हैं और सोलर पैनल और बैटरी की मरम्मत करवाने में खुद से सक्षम नहीं हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि ज्येष्ठ महीने के प्रवेश होते ही गांव की प्यास बुझाने वाला एकमात्र साधन कुआं भी सुख जाता है,जिससे ग्रामीणों को दूर-दराज से गंदे पानी लाकर सेवन करना पड़ता है।बताते चलें कि हरदिया पंचायत के जमुनदाहा गांव में लगभग 90 घर हैं,जिसमें लगभग 600 लोग निवास करते हैं और इनमें लगभग 350 मतदान करते हैं। टेक्नोलॉजी के इस युग में भी ये लोग लाचारी वाली जिंदगी जीने को मजबूर हैं।वहीं आवागमन के लिए ग्रामीणों को सड़कें तक नसीब नहीं है।ऐसी स्थिति में बेहतर भविष्य की कल्पना करना बेइमानी होगी।●

कुआं के समीप पानी भरती महिलाएं एवं बच्चे

हरदिया, सवैयाटांड़ एवं धमनी ग्राम पंचायतों के विभिन्न गांवों में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए कुआं के निर्माण लेकर वरीय पदाधिकारी को पत्राचार किया गया है, किंतु अबतक कुआं निर्माण के लिए राशि प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं पीएचईडी के जेई को इन पंचायतों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मती को लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया है। पीएचईडी के जेई द्वारा ग्राम पंचायतों के मुखिया के सहयोग से सर्वे किया जा रहा है। पेयजल से संबंधित समस्याओं का निवारण शीघ्र ही किया जाएगा। वहीं बिजली की समस्या को लिए अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

संजीव झा, बीडीओ

खराब पड़े सोलर प्लेट के समीप ग्रामीण

प्रियदर्शनी कुसमाकर ने बढ़ाया जिले का मान

● **मिथिलेश कुमार**

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। जिस प्रकार कीचड़ में कमल व काँटों के बीच गुलाब अपनी सुन्दरता और महक फैलाता है उसी प्रकार बेटियाँ भी अपनी प्रतिभा के दम पर अपने समाज परिवार एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं। वैसे तो स्कूली जीवन मनुष्य की जीवन यात्रा के उत्थान एवं पतन का निर्णायक क्षण भी होता हैं । जीवन के प्रति गहरी समझ नही होते हुये भी यह कालखंड कालांतर में आने वाली हर बाधाओं और प्रतिकूलताओं से मुकावला करने में हमें मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार भी करता है, भविष्य के हमारी सोच की रूप रेखा का महत्वपूर्ण समय होता है यही कारण है कि देश–दुनियां में नामचीन विश्वविद्यालयों में डिग्रियाँ लेने के साथ अन्य क्षेत्रों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की लालसा भी हमारे मानस पटल पर हमें उत्साहित करती है। कहा भी गया है 'पँख से कुछ नहीं होता है हौसलों से उड़ान होती है, मंजिल उन्ही को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है।' उड़ान देने के लिये सही समय पर हौसलों को बुलंदी के रास्ते पर ले आने के बाद ही बुने हुये सपने पुरे होते हैं। लेकिन सपनों को साकार करने के लिये ईमानदारी पूर्वक मेहनत करने के लिये अपनी सारी शक्ति को लगाने के लिये तैयारी भी करनी होती है। हम बात कर रहें हैं नवादा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत घोस्तामा गावं निवासी शैलेन्द्र कुशवाहा की पुत्री प्रियदर्शनी

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल
मध्य प्रदेश, भारत
अभिषद् की अनुशंसा पर
प्रियदर्शनी कुशमाकर
Scholar No. 191110044
को
वास्तुकला स्नातक
की उपाधि उनके द्वारा इस उपाधि की अवाप्ति हेतु विनियम विहित अर्हताओं को सफलतापूर्वक पूर्ण कर निर्धारित परीक्षा अप्रैल 2024 मे उत्तीर्ण होने पर एतद् द्वारा प्रदान करता है। 10 अंकीय मापक्रम मे इनका कुल कोटि अंक माध्य 8.70 है। भारतीय गणराज्य के अंतर्गत भोपाल में आज दिनांक 07 दिसम्बर 2024 को संस्थान की मुद्रा सहित दी गई।

MAULANA AZAD NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY BHOPAL
Madhya Pradesh, India
Upon recommendation of the Senate, hereby confers the degree of
BACHELOR OF ARCHITECTURE
on
PRIYADARSHANI KUSHMAKAR
who has completed the requirements prescribed under the regulations for the award of this Degree and passed the examination in April 2024 with Gross Grade Point Average of 8.70 on a 10 point scale.
Given this day, the 07 December 2024 under the seal of the Institute at Bhopal in the Republic of India.

कुलसचिव
Registrar

निदेशक, अध्यक्ष अभिषद् एवं अध्यक्ष, शासी निकाय
Director, Chairman Senate & Chairperson, BoG

कुसमाकर की जो मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल से वास्तुकला से स्नातक की डिग्री हासिल कर अपने परिवार एवं समाज तथा जिले के गौरव को बढ़ाया है।

प्रियदर्शनी कुसमाकर की प्रारम्भिक शिक्षा झारखण्ड स्थित तिलैया के निजी विधालय में हुई थी। बचपन से ही पढ़ने में मेघावी रही प्रियदर्शनी अपने विधालय हमेशा अब्बल रहकर विधालय प्रबंधन पर अपनी गहरी छाप अवश्य छोड़ जाती है। प्रियदर्शनी स्नातक की डिग्री से ही संतुष्ट नहीं है वह आगे की पढ़ाई जारी रखकर अपनी मंजिल को प्राप्त करना चाहती है। अपने दो भाइयो के साथ उसने हमेशा अपने माता पिता के अरमानो को पूरा किया है। वह जिस बिषय में अध्ययन कर रही है उसमें बहुत दूर तक जाना चाहती है। सफल आर्टिकेचर बनना चाहती है। वह अपने कला से कई वरीय अधिकारीयों के बीच अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर दिखाया है। एक आर्किटेक्चर स्नातक के रूप में प्रियदर्शनी के जीवन और करियर मौलाना अबुल कलाम

आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (MAKAUT) से आर्किटेक्चर में स्नातक होने के दौरान, प्रियदर्शनी ने निश्चित रूप से कई डिजाइन स्टूडियो में भाग लिया होगा। इन स्टूडियो में उन्हें विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर काम करने, अपनी रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला होगा। उन्होंने भवन निर्माण सामग्री, संरचनात्मक सिद्धांतों, जलवायु-संवेदनशील डिजाइन और शहरी नियोजन जैसे विषयों का भी अध्ययन किया होगा। एक आर्किटेक्चर छात्र के रूप में, प्रियदर्शनी ने न केवल तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया होगा, बल्कि ड्राइंग, मॉडल बनाना, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) सॉफ्टवेयर का उपयोग करना और प्रभावी ढंग से संवाद करना जैसे महत्वपूर्ण कौशल भी विकसित किए होंगे। टीम वर्क और प्रस्तुति कौशल भी उनके पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे होंगे। हो सकता है कि प्रियदर्शनी ने आर्किटेक्चर के किसी विशेष क्षेत्र में गहरी रुचि विकसित की हो, जैसे कि टिकाऊ वास्तुकला, विरासत संरक्षण, शहरी पुनर्विकास, या विशिष्ट प्रकार के भवनों का डिजाइन (जैसे कि अस्पताल, स्कूल, या आवासीय परिसर)। भविष्य में वह इसी क्षेत्र में

विशेषज्ञता हासिल कर सकती हैं। स्नातक होने के बाद, प्रियदर्शनी ने शायद किसी आर्किटेक्चरल फर्म में इंटर्नशिप की होगी या जूनियर आर्किटेक्ट के रूप में काम करना शुरू कर दिया होगा। शुरुआती करियर में, उनका ध्यान अनुभवी आर्किटेक्ट्स से सीखना और विभिन्न परियोजनाओं पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना होगा।

भारत में एक पंजीकृत आर्किटेक्ट बनने के लिए, उन्हें काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर का लाइसेंस प्राप्त करना होगा। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (IIA) जैसे पेशेवर संगठनों की सदस्य भी बन सकती हैं। आर्किटेक्ट बनने के लिए, प्रियदर्शनी में रचनात्मकता, विस्तार पर ध्यान, समस्या-समाधान कौशल, मजबूत दृश्य क्षमता और क्लाइंट के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता जैसे गुण होने की संभावना है। प्रियदर्शनी के पिता होमीयोपैथ के चिकित्सक हैं वही माता गृहिनी है। भाई भी इंजिनियरिंग के क्षेत्र में अपने को स्थापित कर चूका है। इसके सफलता पर रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के निदेशक निशिकांत सिन्हा,नवादा लोक सभा के पूर्व प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा,कुशवाहा सेवा समिति नवादा के अध्यक्ष महेशवर प्रसाद,सचिव विजय प्रसाद,पटना कैंसर सेन्टर के निदेशक सह पीएमसीएच में सहायक प्राध्यापक डॉ नवीन कुमार, केशव कपूर मेमोरीयल हॉस्पिटल के निदेशक बसंत प्रसाद, डॉ विकास कुमार, अरूंजय मेहता, सुरिचि कुमारी, अनुराधा मेहता, ललिता कुमारी, सुरभि कुमारी, अंजू लता सहित दर्जनों लोगों ने बधाई एवं शुभकामना देतें हुए आशीर्वाद भी दिया है।●

युवा मूर्ति कलाकार राजीव रंजन हुए पुरस्कृत

● **मिथिलेश कुमार**

वारिसलीगंज नगर परिषद अंतर्गत वार्ड संख्या 7 के मुड़लाचक मुहल्ला निवासी जाने माने मूर्ति कलाकार राजेंद्र पंडित तथा पूर्व वार्ड पार्षद ललिता देवी के सुपुत्र राजीव रंजन को बिहार ललित कला अकादमी द्वारा पटना में आयोजित राज्यस्तरीय कला प्रदर्शनी में मूर्ति कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागीय मंत्री द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र तथा 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। राजीव रंजन की इस उपलब्धि ने पूरे जिले का गौरव बढ़ाया है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के तहत बिहार ललित कला अकादमी के तत्वावधान में द्वितीय राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन विभाग के मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने किया। मौके पर अकादमी की सचिव अमृता प्रीतम ने कलाकारों का स्वागत किया। मंत्री की ओर से प्रदर्शनी के कैटलॉग का विमोचन किया गया तथा चयनित कलाकारों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

द्वितीय राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी 2024 - 25 में चाक्षुषी विद्या की पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला, ग्राफिक, छाया चित्र और लोक कला जैसे क्षेत्र में कार्य किया गया। इन कृतियों को इसमें शामिल किया गया जिसके आलोक में वारिसलीगंज के युवा कलाकार राजीव रंजन को मूर्ति कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए

प्रमाण पत्र एवं नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया। राजीव रंजन की सफलता पर शिक्षाविद् डा. गोविंद जी तिवारी, सेवानिवृत शिक्षक बाल्मिकी पांडेय, सरस्वती हीरो मोटरसाइकिल एजेंसी मालिक राजेश कुमार मंटू, जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव कुसुम कुमारी मंजुबाला, जदयू के जिला महासचिव अधिवक्ता चंद्रमौलि शर्मा, प्रदेश अतिपिछड़ा समन्वय समिति नेता विजय कुमार राय, जेडीयू जिला महासचिव संजय कुमार, जदयू जिला महासचिव महेश भाई पटेल, नगर परिषद उपाध्यक्ष सह जिला जदयू उपाध्यक्ष अरुण कुमार राय, प्रखंड बीस सूत्री समिति अध्यक्ष सह भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुमन कुमार, प्रखंड बीस सूत्री समिति उपाध्यक्ष सह प्रखंड जदयू अध्यक्ष अजय कुमार राय, जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव, नगर जेडीयू अध्यक्ष सह बीस सूत्री समिति सदस्य रणविजय प्रसाद, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष बेबी देवी, राजद नेता शिवशंकर चंद्रवंशी, जदयू वरीय प्रखंड उपाध्यक्ष अनिल कुमार, प्रखंड जदयू उपाध्यक्ष पूर्व वार्ड पार्षद सुमिता कुमारी, जदयू प्रखंड उपाध्यक्ष पप्पू चौधरी, जदयू प्रखंड महामंत्री कंचन साव, प्रखंड जदयू मीडिया प्रभारी विकास कुमार सन्नी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।●

मुख्यमंत्री ने बिहार की महिलाओं को बनाया सशक्त : भारती मेहता

● मिथिलेश कुमार

कौआकोल। प्रखण्ड के दरावां गांव में गुरुवार को जनता दल (यूनाइटेड) महिला प्रकोष्ठ की नारी शक्ति रथ महिला संपर्क यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला जदयू प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शोभा देवी ने एवं संचालन जिला अभियान प्रभारी सतीश कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जदयू महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० भारती मेहता ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 20 साल पहले तक जिन घर की बेटियां एवं महिलाएं चूल्हे से लेकर अपने दूल्हे तक ही थी,उन्हें हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरक्षण देकर सशक्त बनाया है। अब बिहार की महिलाओं के कीर्तिमान की कहानियों से पूरा देश

आश्चर्यचकित है। अपने संबोधन के क्रम में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिला आरक्षण,जीविका समूह, मुख्यमंत्री साइकिल योजना, पोशाक योजना,नौकरी में महिलाओं को आरक्षण आदि उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। जदयू के जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार का चहुँमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को जीताने की अपील की। कार्यक्रम में जनता दल (यू०) प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमीला प्रजापति,जिला संगठन प्रभारी अरुण वर्मा,जिला उपाध्यक्ष सह कार्यालय प्रभारी जय शंकर चंद्रवंशी,उषा सिन्हा,राज कुमारी,कुसुम मंजुवाला,प्रो० कृष्णा रानी,अफरोजा खातुन,गोविंदपुर प्रखंड जदयू अध्यक्ष शोभा देवी,कौआकोल प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा,दरावां मुखिया प्रतिनिधि शम्भू महतो आदि लोग मौजूद थें।●

उर्वरक अनुज्ञप्तिधारकों का पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

● मिथिलेश कुमार

कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के बैनर तले 02 अप्रैल से शुरू हुए उर्वरक अनुज्ञप्तिधारकों का समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषयक पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण कोर्स का विधिवत समापन बुधवार को किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी कुंदन आर्या,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ० जयवंत कुमार सिंह ने सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षित अनुज्ञप्तिधारकों को समेकित पोषक तत्व प्रबंधन का मानव जीवन एवं पशुओं के जीवन मे प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों से अपील किया कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए तकनीकों व जानकारियों को किसानों तक सही ढंग से पहुँचाया जाए एवं उन्हें उचित सलाह दिया जाए,जिससे कि वृहद स्तर पर किसान लाभान्वित हो और उत्पादन के साथ ही फसलों की गुणवत्ता तथा भूमि की उर्वरा शक्ति का संतुलन बना रहे। मौके पर कृषि वैज्ञानिक अंगद कुमार,विकास कुमार,सुमितापरंजन,अनिल कुमार,डॉ० शशांक शेखर सिंह,श्रवण रविदास, पिंटू पासवान आदि मौजूद थे।●

ककोलत जल प्रपात अनोखा पर्यटन स्थल

● मिथिलेश कुमार

हजारीबाग पर्वत माला के लोहदंड पर्वत के किसी अज्ञात भण्डार से अनन्त काल से 150 फीट की ऊंचाई से पत्थर की एक पतली पट्टी पर गिरकर गहरे जलाशय और धारा का रूप लेती है, इस स्थान को ककोलत कहा जाता है। प्रकृति की सुरम्य वादियों में बसा ककोलत जलप्रपात लौहदण्ड पर्वत के 150 फीट नीचे गिरते जल के कारण यहां नयनाभिराम दृश्य उपस्थित करते हैं। वन वृक्षों, लताओं से भरा यह परिवेश सैलानियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। जलप्रपात का गिरता जल जैसे रूई के गोलों में बदलकर वर्षा के फुहार का रूप लेकर मनमोहक दृश्य उपस्थित करता है। बिहार प्रदेश के नवादा रेलवे स्टेशन से 21 मील गोविन्दपुर प्रखंड क्षेत्र का ककोलत जलप्रपात प्रकृति की अनुपम देन है। ककोलत जलप्रपात का दर्शन फ्रांसिस बुकानिन ने 19 दिसम्बर 1811 ई. में अकबरपुर के एक व्यापारी के साथ किया और पाया कि एक ऊंचे पर्वत से साफ जल नीचे गिर रहा है। जिस स्थान पर जल गिर रहा था उस स्थान पर एक गहरा तालाब था। फ्रांसिस बुकानन अपनी यात्रा-वृतांत में लिखते हैं कि जहां पर ऊंचाई से जल गिरता था उस स्थान के दक्षिण, पश्चिम और पूरब में पर्वत और वन हैं। यहां के पत्थर को राजमहल के आस-पास के जैसा पत्थर मानते हैं। फ्रांसिस बुकानन ने ककोलत को किसी ढंग के धार्मिक स्थल के रूप में नहीं पाया। मात्र इसको प्रकृति नैसर्गिक स्थल के रूप में देखा था।

1845ई. में जिले के अन्तर्गत नवादा अनुमंडल कायम किया गया। नवादा को अनुमंडल का दर्जा प्राप्त होने के बाद नवादा के प्रथम अनुमंडल पदाधिकारी ने बैलगाड़ी से नवादा से यात्रा करते हुये ककोलत जलप्रपात को देखा था। 1919 ई० में प्रकाशित गया जिला गजेटियर के अनुसार नवादा रेलवे स्टेशन से 21 मील दक्षिण पूरब में धरती से 160 फीट ऊंचाई पर ककोलत नामक जलप्रपात है। इस जलप्रपात के पास राजा नृप एक ऋषि के द्वारा श्राप दे देने के कारण गिरगिट के रूप में समय बिता रहे थे। जब पाण्डव अज्ञातवास के समय यहां पधारे तो राजा को श्राप से मुक्ति मिली और तभी से सांप योनि में जन्म लेने से मुक्ति के लिए आस-पास के लोग चौत संक्रांति के समय विसुआ पर्व के मौके पर धार्मिक विचार से स्नान करते हैं।

☞ **ककोलत के साथ जुड़ी है, सती मदालसा की गाथा :-** सप्तऋषियों में गृहस्थ जमदग्नि महत्वपूर्ण हैं। इनके पांच पुत्र हुए। ज्येष्ठ पुत्र रुकमान फिर सुषेण वसु और विश्वावसु और छोटे पुत्र भगवान परशुराम जी वसु वंशगर राजा हुए। मगध की राजधानी पांच पर्वतों के बीच गिरिब्रज को राजा वसु ने बसाया था इस कारण इस स्थान का प्रथम नाम वसुमति है। जमदग्नि के पुत्र विश्वावसु की पुत्री मदालसा हुई। मदालसा भारतीय पवित्र साध्वी नारियों में एक मानी जाती हैं। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार मदालसा प्राचीन काम्यक वन के पास निवास करती थीं। इस काम्यक वन की चर्चा महाभारत के वनपर्व के अनुसार अज्ञातवास के समय कुछ दिनों तक पाण्डवों ने इसी स्थान पर अपना समय गुजारा था। सती मदालसा मगध देश की महत्वपूर्ण विदुषि नारी के रूप में जानी जाती हैं। मदालसा के व्यक्तित्व में गृहस्थ धर्म के महत्वपूर्ण योगदान अंकित है। काम्यक वन में मार्कण्डेय मुनि के आश्रम होने की बात वायुपुराण में भी अंकित है। मार्कण्डेय पुराण का ही एक हिस्सा दुर्गा सप्तसती है। दुर्गासप्तसती नारी जाति को महिमा मंडित करने एवं शक्ति पुंज मानने का ग्रंथ है। मार्कण्डेय पुराण में ही साध्वी नारी मदालसा का वर्णन किया गया है। मदालसा जैसी माँ, पत्नी और गृहस्थ नारी भारतीय नारियों के लिए आदर्श हैं।

मदालसा का विवाह राजा ऋतध्वज के साथ हुआ। मदालसा की कोख से चार पुत्रों का जन्म हुआ। ककोलत या काम्यक वन को लौहदण्डकारण्य क्षेत्र के रूप में गया महात्म्य के प्रसंग में माना गया है एवं मदालसा की धरती माना गया है।

☞ **प्राचीन काम्यक वन ही ककोलत वन है** :- महाभारत के वन पर्व में काम्यक वन की चर्चा है। इस वन की चर्चा में कहा गया है कि अज्ञातवास के समय पाण्डवों ने इस स्थान पर निवास किया था। वन और पर्वत के इस मनोरम स्थान पर किसी अज्ञात जल भण्डार से गिरते शीतल जल के पास समय गुजारते पाण्डवों से मिलने इस स्थान पर सत्यभामा के साथ भगवान श्रीकृष्ण पधारे। भगवान श्री कृष्ण के पास आते ष्देख राजा नृप जो किसी ऋषि के श्राप के कारण गिरगिट के रूप में निवास कर रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण के पैर यहां पड़ते ही राजा नृप अपने मानव योनि में प्रकट हो गये। तभी से काम्यक वन के ककोलत जलप्रपात के शीतल जल में खासकर चौत संक्रांति में स्नान करने मात्र से सांप योनि में जन्म लेने से मुक्ति प्राप्त करने के लिए लोग स्नान करते आ रहे हैं। वायुपुराण के गया महात्म्य में आर्यावर्त में प्रसिद्ध आठ पवित्र जलाशयों में एक लौहदण्डकारण्य क्षेत्र का पवित्र जल तन को शीतल कर देने वाला ककोलत जलप्रपात है। इस जलप्रपात को पताल गंगा भी माना गया है। और इस स्थान के आस-पास ही ऋषि मार्कण्डेय का निवास स्थल था। ऋषि मार्कण्डेय के निवास स्थल में एक शक्ति पुंज की चमक के कारण लोगों में वनों के बीच पर्वतों की तनहाई में इस प्रकाश पुंज को एकतारा नाम से पुकारा, वर्तमान में ककोलत जलप्रपात से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में एकतारा नामक स्थल है। इस एकतारा नामक स्थल के पास से प्रस्तर कालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं। पत्थर का हस्तकुठार, ढाल, तलवार, चौपर आदि प्राप्त हुआ है । एकतारा के आस-पास हरे आम का वन था जिसके सम्बंध में कहा जाता था कि एक कोल जाति के जागीरदार के द्वारा लगाया गया आमवन था। एकतारा से तात्पर्य है घने वन और पर्वतों के बीच मात्र एक चमकने वाला स्थल जो आसमान के तारे जैसा प्रतीत होता था। कहते हैं ऋषि मार्कण्डेय ने इसी स्थल पर मार्कण्डेय पुराण की रचना की जिसका एक भाग दुर्गासप्तसती है।

प्राचीन काम्यक वन ही वर्तमान का ककोलत वन या ककोलत जलप्रपात है। 1966 ई० में भारत सरकार का एक केन्द्रीय दल ककोलत आया और भारी गर्मी और तपिश में जब जिले का जल स्तर काफी नीचे चला गया था तब भी ककोलत जलप्रपात से जल नीचे लगातार गिर रहा था। केन्द्रीय दल ने कौतूहल के साथ जलप्रपात को देखा और इस जलप्रपात से बिजली उत्पादन करने की अनुशंसा की। इस अनुशंसा के कारण ककोलत जल प्रपात की चर्चा देश के अखबार और पत्र-पत्रिकाओं में हुई। 1973 ई० को जब नवादा जिले का गठन किया गया तब से इसके विकास के लिए प्रयास तेज हो गया। नवादा जिला के गठन के बाद दो जिला पदाधिकारी इतिहास और संस्कृति के जानकार होने के कारण ककोलत जलप्रपात के विकास को अन्जाम देने में लग गये। प्रथम जिला पदाधिकारी नरेन्द्र पाल सिंह ने थाली के पास से ककोलत जलप्रपात तक का पांच किलोमीटर पथ का निर्माण किया। इसके बाद पंचम लाल, जो स्वयं इतिहास और संस्कृति के लेखक भी हैं, ने जिला पदाधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के समय जलप्रपात तक पहुंचने के लिए सीढ़ी का निर्माण किया जिसे पूर्व में एक टिकैत जागीरदार ने बनाया था। निर्माण और विकास के काम को 1990 ई० में नवादा के तात्कालीन समाहर्ता फैज अकरम ने धरती पर उतारने का जोरदार प्रयास किया। गहरे तालाब को समतल किया। पूर्व में स्नान करने वाले कई लोगों की मौत गहरे तालाब में हुई है। अब यह डर नहीं है।●

(आलेख : राम रतन सिंह रत्नाकर, साहित्यकार)